वैशाख कृष्ण - 2 | संवत 2082 | वर्ष - 20 | अंक - 256 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | बेंगलूरु » सोमवार » 14-04-2025 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 अपने वोटों को साधने के लिए ममता सरकार ने बंगाल को जलने के लिए छोड़ा : शेखावत

6 राष्ट्र के सजग पथ प्रदर्शक थे डा. अंबेड़कर

7 'पुरातन' मेरी आखिरी बांग्ला फिल्म हो सकती है : शर्मिला टैगोर

अंबेडकर भावी पीढ़ियों को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते रहेंगे : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर नागरिकों को बधाई दी और कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में उनका योगदान भविष्य की पीढ़ियों को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम करने को प्रेरित करता रहेगा।

एक संदेश में उन्होंने कहा कि बाबासाहेब ने अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करते हुए भी अपनी अलग पहचान बनाई और अपनी असाधारण उपलब्धियों से दुनिया भर में सम्मान अर्जित किया। राष्ट्रपति ने कहा कि वह शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन और वंचितों के सशक्तीकरण के लिए एक महत्वपूर्ण साधन मानते थे। मुर्मू ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में उनका योगदान भावी पीढ़ियों को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम करने को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा, इस अवसर पर, आइए हम अपने जीवन में डॉ. अंबेडकर के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लें तथा एक ऐसे राष्ट्र के निर्माण के लिए काम करें, जिसमें सामाजिक सद्भाव और समानता की भावना समाहित हो। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, हमारे संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव रामजी अंबेडकर की जयंती के अवसर पर मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं।

अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल, 1891 को महाराष्ट्र के एक दलित परिवार में हुआ था।

केवल सिखों के लिए ही नहीं, हर भारतीय के लिए प्रेरणा हैं गुरु गोविंद सिंह : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को मुगल शासक औरंगजेब को 'क्रूर' करार दिया और तब हिंदुओं के सामने आई समस्याओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए गुरु गोविंद सिंह की सराहना की।

आदित्यनाथ ने यहां खालसा सृजन दिवस एवं बैसाखी पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु गोविंद सिंह केवल सिखों के लिए ही नहीं हर भारतीय के लिए प्रेरणा हैं और एक नया प्रकाश हैं। उन्होंने कहा, ''खालसा पंथ के 325 वर्ष पूरे हो रहे हैं। गुरु गोविंद सिंह के अनुयायी जहां भी गये अपने शौर्य और पराक्रम से अपना लोहा मनवाया।''

योगी ने कहा कि सिख कहीं भी होगा वह बिना झुके, डिगे अपने पथ पर आगे बढ़ता है, इसलिए सरदार भी कहलता है।

योगी ने कहा, ''याद करिये एक तरफ क्रूर औरंगजेब के शासन में अत्याचार की पराकाष्ठा थी, जजिया कर के जरिये हिंदुओं को पूरी तरह इस्लाम में बदलने की उसकी क्रूर चाल और मंदिरों को तोड़ा जा रहा था, बेटियों की इज्जत पर हाथ डाला जा रहा था और उस समय अपने एक लाख शिष्यों के साथ मिलकर देश और धर्म की ज्वलंत समस्याओं पर प्रभावी शंखनाद करने का काम गुरु गोविंद सिंह महाराज द्वारा किया जा रहा था।'' मुख्यमंत्री के मुताबिक, गुरु गोविंद सिंह महाराज ने इस कार्यक्रम को बढ़ाया तो इसका नाम खालसा रखा जिसका मतलब परमात्मा है।

राष्ट्र सेवा की दिशा में पहला कदम मतदान है : सीईसी

रांची/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि राष्ट्र सेवा की दिशा में पहला कदम मतदान है। कुमार ने कहा कि जब भी चुनाव हो, पात्र नागरिकों को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। कुमार ने रांची में पत्रकारों से कहा, ''राष्ट्र सेवा की दिशा में पहला कदम मतदान है। वोट डालने के लिए व्यक्ति का मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना जरूरी है। भारत का कोई भी पात्र नागरिक जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका है, उसे मतदान से वंचित नहीं रहना चाहिए।'' मुख्य निर्वाचन आयुक्त झारखंड के तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को रांची पहुंचे थे। उन्होंने कहा, ''जब भी चुनाव होता है, मतदाताओं को मतदान अवश्य करना चाहिए।'' कुमार ने कहा कि निर्वाचन आयोग हमेशा मतदाताओं के साथ खड़ा रहा है और आगे भी खड़ा रहेगा। इससे पहले उन्होंने रांची के बाहरी इलाके दशम फाल में बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के साथ एक चर्चा की। बीएलओ ने मतदान के दौरान दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में अपने अनुभव और प्रयासों को साझा किया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने चुनाव के दौरान घर पर सर्वेक्षण, बीएलओ ऐप, मतदान समय प्रबंधन और अन्य संबंधित मामलों में बीएलओ के अनुभवों के बारे में भी जाना।

सांप्रदायिक हिंसा प्रभावित पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद से सैकड़ों लोग भागे, नदी पार कर मालदा में शरण ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में सांप्रदायिक हिंसा से प्रभावित सैकड़ों लोगों ने भागीरथी नदी पार कर मालदा में शरण ली है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

स्थानीय प्रशासन ने दंगा प्रभावित परिवारों के लिए आश्रय और भोजन की व्यवस्था की है तथा उन्हें स्कूलों में शरण दी है। साथ ही मुर्शिदाबाद से नावों से आने वालों की सहायता के लिए नदी तट पर स्वयंसेवकों को तैनात किया है।

मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले के सुती, धुलियान, जंगीपुर और शमशेरगंज समेत कई इलाकों में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन हुए, जो सांप्रदायिक हिंसा में बदल गये। इसके कारण प्रभावित लोगों का पलायन शुरू हो गया।

मीडिया में आई तस्वीरों में मुर्शिदाबाद के इन इलाकों में दुकानें, होटल और घर जलते हुए दिखाई दे रहे हैं।

अपने परिवार के चार अन्य सदस्यों के साथ मुर्शिदाबाद से पलायन करने वाली एक युवती ने संवाददाताओं को बताया, ''हम धुलियान के मंदिरपाड़ा इलाके से इसलिए भागे क्योंकि हमारे घरों में आग लगा दी गई थी। महिलाओं और लड़कियों के साथ बाहरी लोगों तथा कुछ स्थानीय लोगों के एक समूह ने छेड़छाड़ की थी।''

महिला ने दावा किया, ''उन्होंने बम फेंके, हमें वक्फ (संशोधन) अधिनियम के लिए दोषी ठहराया और हमें तुरंत अपने घर छोड़ने के लिए कहा। उन्होंने हमारे घर के पुरुषों को पीटा। हम अपनी जान को लेकर डरे हुए थे और केंद्रीय बलों की मदद से अपने घरों से भागे।'' एक अन्य बुजुर्ग महिला ने कहा, ''हमने हमलावरों से हाथ जोड़कर माफी मांगी, जबकि हमने कोई गलत काम नहीं किया था। हथियार लहराते हुए हमलावरों ने बहुत अत्याचार किए। मैं, मेरा बेटा, बहू और पोता अपना कुछ सामान लेकर भाग निकले। नहीं तो हम मारे जाते।''

देशभर में दो साल में 10 लाख करोड़ की राजमार्ग परियोजनाएं शुरू करेगी सरकार : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- आने वाले दो वर्षों में पूर्वोत्तर के राजमार्ग अमेरिकी सड़कों के बराबर हो जाएंगे।
- हमारा प्रयास देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाना है, ताकि यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बुनियादी ढांचे के बराबर हो जाए।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार देशभर में राजमार्गों को मजबूत करने के लिए अगले दो साल में 10 लाख करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बना रही है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष ध्यान देंगे, जहां की सड़कें अमेरिका की सड़कों के समान होंगी।

गडकरी ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा कि केंद्र सरकार अगले दो साल में देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाने के लिए काम कर रही है, ताकि यह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ के बराबर हो।

गडकरी ने कहा, ''हम अगले दो साल में देशभर में राजमार्गों को मजबूत करने के लिए 10 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें पूर्वोत्तर और सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। आने वाले दो वर्षों में पूर्वोत्तर के राजमार्ग अमेरिकी सड़कों के बराबर हो जाएंगे।'' उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के कठिन भूभाग और सीमाओं से निकटता को देखते हुए यहां सड़क बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की तत्काल जरूरत है। उन्होंने कहा, ''हमारा प्रयास देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाना है, ताकि यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बुनियादी ढांचे के बराबर हो जाए।'' उन्होंने बताया कि इस दिशा में महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, राजस्थान और दिल्ली सहित सभी राज्यों में काम चल रहा है।

मुम्बई इंडियंस ने रोका दिल्ली कैपिटल्स का विजय रथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। तिलक वर्मा (59), रायन रिकलटन (41) और सूर्यकुमार यादव (40) की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत मुम्बई इंडियंस ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 29वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को 12 रनों से हरा दिया। दिल्ली की पांच मैचों में यह पहली हार है। वहीं मुम्बई इंडियंस की छह मैचों में यह दूसरी जीत है।

206 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में जेक फ्रेजर-मक्गार्क (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये करूण नायर ने अभिषेक पोरेल के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 118 रनों की साझेदारी हुई। 11वें ओवर में कर्ण शर्मा ने अभिषेक पोरेल को आउटर इस साझेदारी का अंत किया। पोरेल ने 25 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (33) रन बनाये। अगले ही ओवर में मिचेल सैंटनर ने शतक की ओर बढ़ रहे करूण नायर को आउटकर दिल्ली को बड़ा झटका दिया। करूण नायर ने 40 गेंदों में 12 चौके और चार छक्के लगाते हुए (89) रनों की पारी खेली। कप्तान अक्षर पटेल (नौ) रन बनाकर आउट हुये। उन्हें बुमराह ने आउट किया।

यूक्रेन के सूमी शहर में रूस के मिसाइल हमले में 20 से अधिक लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। यूक्रेन के सूमी शहर में रविवार को रूस के मिसाइल हमले में 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई। शहर के कार्यवाहक महापौर और यूक्रेन के महाभियोजक कार्यालय ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार रविवार को लोग 'पाम संडे' मनाने एकत्र हुए थे, तभी पूर्वाह्न लगभग सवा 10 बजे बैलिस्टिक मिसाइल से यह हमला हुआ। आधिकारिक चैनलों पर प्रसारित घटना की वीडियो में जमीन पर शव पड़े हुए दिख रहे हैं और आसपास मलबा पड़ा हुआ है।

महापौर अर्टेम कोबजर ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा, पाम संडे के अवसर पर हमारे लोगों को भयावह त्रासदी का सामना करना पड़ा। दुर्भाग्य से 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई है।

महाभियोजक कार्यालय ने प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए कहा कि हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई है।

गृह मंत्री इहोर क्लाइमेंको ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सात बच्चों समेत 83 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि दो मिसाइल हमलों में कई लोग मारे गए हैं। उन्होंने कहा, प्रारंभिक सूचना के अनुसार कई लोग मारे गए और घायल हुए हैं।

जेलेंस्की ने हमले पर वैश्विक प्रतिक्रिया का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, बातचीत से बैलिस्टिक मिसाइलों और बमों पर कभी रोक नहीं लगी।

मृत्युदंड देना इस्लाम का हिस्सा : तालिबान नेता

काबुल/एपी। अफगानिस्तान में हत्या के एक मामले में दोषी ठहराए गये चार लोगों को गोली मारकर मौत की सजा देने के कुछ दिनों बाद तालिबान के एक नेता ने कहा कि मृत्युदंड इस्लाम का हिस्सा है। चारों दोषियों को शुक्रवार को एक खेल स्टेडियम में गोली मारी गयी और यह 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से एक दिन में सबसे ज्यादा लोगों को दी गई मौत की सजा है। अधिकार समूहों और संयुक्त राष्ट्र ने इस घटना की निंदा की है। तालिबान नेता हिबतुल्ला अखुंदजादा ने पूर्व में अफगानिस्तान में पश्चिमी कानूनों की जरूरत को खारिज कर दिया था। तालिबान के मुख्य प्रवक्ता ने एक ऑडियो क्लिप जारी किया जिसमें अखुंदजादा ने कहा, हमें अनुशासनात्मक उपाय, प्रार्थनाएं और इबादत के काम करने चाहिए।

शासकों के लिए आज भी आदर्श हैं विक्रमादित्य : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि महाराजा विक्रमादित्य ने अपने शासन काल में कला संस्कृति, साहित्य और विज्ञान के विकास को संरक्षण और संवर्धन के साथ जो मूल्य स्थापित किए, कालान्तर में वे ही भारत की सांस्कृतिक आदर्श एवं पहचान बने।

उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ शनिवार शाम यहां लाल किला परिसर स्थित माधौदास पार्क में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा आयोजित सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी उपस्थित थे।

उपराष्ट्रपति एवं अन्य अतिथियों ने इस तीन दिवसीय सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन आयोजन का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया। सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन 14 अप्रैल तक लगातार जारी रहेगा।

उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कहा कि हमारी संस्कृति एक मिसाल है कि भारतीय जीवन मूल्यों के साथ जीवन कितना सहज और सरल हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीयता हमारी पहचान है और राष्ट्रवाद हमारा परम धर्म है। सम्राट विक्रमादित्य ने अपने शासनकाल में राष्ट्र के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हमारा देश बदल रहा है। भारत में भूतल की गहराई से आकाश की ऊंचाइयों तक हर तरफ विकास ही विकास हो रहा है।

फर्स्ट टेक

पूर्वी कांगो में सरकार और रवांडा समर्थित विद्रोहियों के बीच हिंसक झड़प में कई लोगों की मौत

गोमा (कांगो)/एपी। संघर्ष प्रभावित पूर्वी कांगो में सप्ताहांत के दौरान हुए हमलों में कम से कम 50 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सरकार ने रवांडा समर्थित विद्रोहियों पर हिंसा का आरोप लगाया। पूर्वी कांगो के सबसे बड़े शहर गोमा और उसके आसपास के इलाकों में हाल में हुई हिंसा कतर और अफ्रीकी देशों द्वारा जारी शांति प्रयासों के लिए सबसे बड़ा खतरा है। गोमा निवासी अम्बोमा सफारी ने बताया कि कैसे उनके परिवार के चार सदस्यों ने शुक्रवार रात को गोलियों और बम धमाकों की आवाजें सुनकर बिस्तर के नीचे रात बिताई। सफारी ने बताया, हमने सैनिकों की लाशें देखीं, लेकिन हमें नहीं पता कि वे किस समूह से हैं।

राज्यपाल ने ओडिशा विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक को मंजूरी दी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति की मंजूरी के साथ ही राज्य के उच्च शिक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुधार के मकसद से बनाया गया ओडिशा विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2024 रविवार से प्रभावी हो गया है। ओडिशा विधानसभा में व्यापक चर्चा के बाद दो अप्रैल को विधेयक पारित किया गया था और 12 अप्रैल को इसे राज्यपाल की मंजूरी मिल गई। ओडिशा के उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यवंशी सूरज ने राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में ''नया सवेरा'' बताया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम शिक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने, लंबे समय से चली आ रही चुनौतियों का समाधान करने और अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ाने के उद्देश्य से परिवर्तनकारी बदलाव लाएगा।

आतंकी मॉड्यूल के दो सदस्य गिरफ्तार : पंजाब पुलिस

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि एक आतंकी मॉड्यूल के दो सदस्यों को आरडीएक्स युक्त संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद होने के बाद गिरफ्तार किया गया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने कहा कि आरोपियों की पहचान जग्गा सिंह और मनजिंदर सिंह के रूप में हुई है। यादव ने कहा कि वे जर्मनी में रहने वाले गुरप्रीत सिंह उर्फ गोल्डी ढिल्लों द्वारा संचालित आतंकी मॉड्यूल के प्रमुख सदस्य हैं। ढिल्लों गोल्डी बराड़-लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा है।

सूर्यास्त 14-04-2025	सूर्योदय 15-04-2025
6:32 बजे	6:07 बजे

BSE	NSE
75,157.26	22,828.55
(+1,310.11)	(+429.40)

सोना	चांदी
9,312 रु.	93,401 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

धन की गति

भाग रहे धनपति उधार ले,
कर्जे माफ किसानों के।
दान कर रहे कर चोरी कर,
बैंक हुए धनवानों के।
ब्याज खा गया मूल राशि को,
सौदे सिर्फ जबानों के।
राजकोष के धन के बल पर,
होते मजे सयानों के।।

प्रधानमंत्री का दौरा राज्य के विकास में एक नए अध्याय की शुरुआत करेगा : सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 14 अप्रैल को राज्य का दौरा राज्य के लिए विकास के एक नये अध्याय की शुरुआत करेगा। मोदी सोमवार को हरियाणा में रहेंगे और भीम राव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर कई विकास पहलों का शुभारंभ करेंगे।

मोदी हिसार हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे और उत्तर प्रदेश के अयोध्या के लिए एक वाणिज्यिक उड़ान को हरी झंडी दिखाएंगे। वह हवाई अड्डे पर एक नये टर्मिनल भवन की आधारशिला भी रखेंगे। मोदी यमुनानगर में एक अन्य कार्यक्रम में दीनबंधु छोटू राम ताप ऊर्जा संयंत्र की 800 मेगावाट की एक आधुनिक ताप ऊर्जा इकाई की आधारशिला रखेंगे। वह हिसार और यमुनानगर में जनसभाओं को संबोधित भी करेंगे। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश 2047 तक विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से प्रगति कर रहा है। एक बयान के अनुसार,

उन्होंने कहा, ''हमारा मिशन यह सुनिश्चित करना है कि विकास की रोशनी हर नागरिक तक पहुंचे और हमारा देश आत्मनिर्भरता के पथ पर आगे बढ़ता रहे।''

सैनी ने कहा कि केंद्र के सक्रिय सहयोग से हरियाणा सरकार जमीनी स्तर पर कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हिसार से अयोध्या (सप्ताह में दो बार) और जम्मू, अहमदाबाद, जयपुर और चंडीगढ़ के लिए सप्ताह में तीन उड़ानें हरियाणा की विमानन कनेक्टिविटी में एक महत्वपूर्ण छलांग साबित होंगी। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री हवाई यात्रा को सुरक्षित, किफायती और सभी के लिए सुलभ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, हिसार में महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे के 410 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले एक नये टर्मिनल भवन की आधारशिला रखेंगे।

इसमें कहा गया है कि इसमें एक अत्याधुनिक यात्री टर्मिनल, एक कार्गो टर्मिनल और एक एटीसी भवन शामिल होगा और इसे दो साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। बयान में कहा गया है कि मोदी भारतमाला परियोजना के तहत लगभग 1,070 करोड़ रुपए की लागत वाली 14.4 किलोमीटर लंबी रेवाड़ी बाईपास परियोजना का भी उद्घाटन करेंगे। बयान में कहा गया है कि इस बाईपास से रेवाड़ी शहर में भीड़भाड़ कम होगी, दिल्ली-नारनौल यात्रा का समय एक घंटे कम हो जाएगा तथा क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

बयान के अनुसार, यमुनानगर ताप ऊर्जा इकाई 233 एकड़ में फैली हुई है और इसकी लागत करीब 8,470 करोड़ रुपए है। बयान के अनुसार मार्च 2029 तक चालू होने के बाद, इससे हरियाणा की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को काफी बढ़ावा मिलेगा और पूरे राज्य में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

बयान में कहा गया है कि 'गोबरधन' (गैलवैनाइजिंग आर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन) की दृष्टि को आगे बढ़ाते हुए, मोदी यमुनानगर के मुकरबपुर में एक संपीड़ित बायोगैस संयंत्र की आधारशिला भी रखेंगे।

ताडोबा बाघ अभयारण्य में लौटे दुर्लभ प्रजाति के पक्षी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के चंद्रपुर में ताडोबा अंधारी बाघ अभयारण्य (टीएटीआर) के प्राकृतिक घास के मैदानों में दुर्लभ पक्षियों की प्रजातियां देखी जा रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह प्राकृतिक घास के मैदान 19 साल पहले छह गांवों को मूल क्षेत्र से स्थानांतरित करने के कारण बने हैं।

'बॉम्बे नैचुरल हिस्ट्री सोसाइटी' (बीएनएचएस) ने महाराष्ट्र में लुप्तप्राय पक्षियों के संरक्षण प्रजनन परियोजना की शुरुआत की है, जिसमें 'लेसर फ्लोरिकन' जैसे पक्षी शामिल हैं। इस पक्षी को पिछले तीन-चार वर्षों में ताडोबा और उसके आसपास देखा गया है। मुंबई स्थित वन्यजीव अनुसंधान संगठन वर्तमान में संरक्षण परियोजना के लिए, विशेष रूप से गांवों के स्थानांतरण के बाद, विदर्भ क्षेत्र में स्थित बाघ अभयारण्य की क्षमता का आकलन कर रहा है।

'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में बीएनएचएस के निदेशक किशोर रिठे ने टीएटीआर को भारत के सबसे सफल और जैविक रूप से समृद्ध बाघ परिदृश्यों में से एक बताया। इस अभयारण्य में 100 से अधिक बाघ रहते है। उन्होंने बताया कि 2006 में शुरू हुई प्रक्रिया के तहत मुख्य क्षेत्र से आधा दर्जन गांवों को स्थानांतरित करने के बाद 926 हेक्टेयर में फैला क्षेत्र, जिसमें कभी बस्तियां और कृषि क्षेत्र थे, अब घास के मैदानों में बदल गया है, जहां न तो मनुष्य हैं और न ही पालतू पशु। उन्होंने कहा, ''गांवों को स्थानांतरित करने का उद्देश्य था कि बाघों के प्रजनन के लिए सुरक्षित क्षेत्र सुनिश्चित किया जा सके।

भारत में अब तक 38 प्रतिशत गेहूं की कटाई हो चुकी : कृषि मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कहा कि देश में अब तक 38 प्रतिशत गेहूं की कटाई हो चुकी है। उन्होंने कहा कि चालू विपणन सत्र 2025-26 में गेहूं कि कुल रकबा 3.2 करोड़ हेक्टेयर होने का अनुमान है और लगभग 38 प्रतिशत फसल की कटाई हो चुकी है।

चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विभिन्न रबी फसलों की अच्छी पैदावार की संभावना को देखते हुए बेहतर खरीद की व्यवस्था की जाए।

मंत्री ने एक बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और बिहार जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में गेहूं की कटाई की स्थिति बेहतर है।

सरकार ने 2025-26 विपणन सत्र (अप्रैल-मार्च) के लिए 3.1 करोड़ टन गेहूं खरीद का लक्ष्य रखा है।

गेहूं जैसी रबी फसलों के अलावा, मंत्री ने जायद फसलों की बुवाई की प्रगति का भी जायजा लिया, जो रबी और खरीफ सत्र के बीच उगाई जाती हैं।

आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक जायद फसलों के तहत कुल रकबा 60.22 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है, जो एक साल पहले 52.40 लाख हेक्टेयर था।

नीतिगत निष्क्रियता के कारण अतीत में सहकारी आंदोलन को लगभग मृतप्राय कर दिया गया : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नीत पूर्ववर्ती सरकारों पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि कानूनों में वर्षों तक बदलाव नहीं किए जाने के कारण सहकारी आंदोलन शिथिल पड़ गया था और जबतक मोदी सरकार ने इसमें निर्णायक कार्रवाई नहीं की तब तक यह लगभग मृतप्राय हो गया था।

भोपाल में एक राज्य-स्तरीय सहकारी सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने सहकारी क्षेत्र को बढ़ावा देने पर कभी विचार नहीं किया।

इस मौके पर प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिये राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और मध्यप्रदेश राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन (एमपीएससीडीएफ) के बीच एक समझौता भी हुआ। शाह ने कहा, वर्षों तक सहकारी आंदोलन धीरे-धीरे आगे बढ़ा और फिर लगभग मृतप्राय हो गया था। अतीत में देशभर में चल रहे सहकारी आंदोलन एकसमान नहीं थे। चुनौतियों पर शाह ने कहा कि सहकारी आंदोलन जर्जर हो गया था क्योंकि कानूनों को तदनुसार संशोधित नहीं किया गया था।

उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्षों के बाद ही आंदोलन ने जोर पकड़ा जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सहकारिता मंत्रालय का गठन किया। शाह ने सहकारी क्षेत्र को बढ़ावा नहीं देने के लिए पिछली केंद्र सरकारों को दोषी ठहराया, जिसके परिणामस्वरूप 'एकतरफा विकास' हुआ। उन्होंने कहा, कुछ राज्यों में आंदोलन ने गति पकड़ी जबकि कुछ स्थानों पर इसे नष्ट कर दिया गया।

शाह ने सहकारी आंदोलन में 'सकारात्मक बदलाव' लाने का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को देते हुए कहा कि मुख्य कारण यह था कि कानून, जिन्हें समय के साथ बदला जाना चाहिए था, उन्हें बदला नहीं गया।

शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश में कृषि, पशुपालन और सहकारी क्षेत्रों में बहुत संभावनाएं हैं। उन्होंने इन संभावनाओं का पूरा दोहन करने के लिए और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश में अब सुशासन है। कांग्रेस शासन के दौरान सहकारी समितियां लगभग मर चुकी थीं। यह उनके पुनरुद्धार का एक स्वर्णिम अवसर है और मध्यप्रदेश को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चूंकि संवैधानिक व्यवस्था के तहत सहकारिता, राज्य का विषय है, इसलिए देश भर में तेजी से बदलती परिस्थितियों के अनुकूल सहकारी कानूनों को तैयार करने के लिए पहल नहीं की गई।

अमेरिकी शुल्क से उत्पन्न अनिश्चितता अल्पकालिक होगी: टीसीएस सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) के कृतिवासन का मानना है कि शुल्क कदमों से इस क्षेत्र पर पड़ने वाली अनिश्चितता 'अल्पकालिक' होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह 'कुछ महीनों' के भीतर हल हो जाएगी। देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी के प्रमुख ने पीटीआई-भाषा से विशेष बातचीत में बताया कि कंपनी की 39 अरब डॉलर से अधिक की ऑर्डर बुक यह सुनिश्चित करेगी कि टीसीएस राजस्व बुकिंग जारी रखेगी।

जारी सौदों को 'मजबूत' बताते हुए कृतिवासन ने कहा कि मौजूदा स्थिति में जहां कुछ ग्राहकों ने विवेकाधीन खर्च करना बंद कर दिया है, उससे मूल्य निर्धारण पर कोई दबाव नहीं पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वास्तव में, सालाना और क्रमिक दृष्टिकोण से मूल्य निर्धारण में मामूली वृद्धि हुई है। कृतिवासन ने 30 अरब डॉलर से अधिक के राजस्व में ग्राहकों के विवेकाधीन व्यय की

हिस्सेदारी का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के खर्च राजस्व का एक 'महत्वपूर्ण' हिस्सा हैं, लेकिन इस तरह के राजस्व पर असर पड़ने की मौजूदा प्रवृत्ति से वे बेफिक्र नज़र आए। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यह अनिश्चितता अल्पकालिक होगी। कुछ महीनों या कुछ और समय में, इसका समाधान हो जाएगा...। उन्होंने कहा कि मजबूत ऑर्डर बुक से राजस्व के मोर्चे पर मदद मिलेगी। कृतिवासन ने कहा कि यदि कुल अनुबंध मूल्य या नए सौदों के राजस्व बुकिंग में रूपांतरण में गिरावट आई है, तो इसमें कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ है। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इसमें बदलाव आने में महीनों का समय लगेगा। एक बार जब अमेरिका में स्थिति हल हो जाती है, तो इससे कंपनी को उत्तरी अमेरिका के कारोबार में वृद्धि को फिर से शुरु करने में मदद मिलेगी, जिसका कुल राजस्व में हिस्सा अब घटकर 48 प्रतिशत रह गया है।

राजभवन में राजस्थान स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक राजभवन के ग्लास हाउस में राज्यपाल थावरचंद गहलोत की उपस्थिति में राजस्थान का स्थापना दिवस मनाया गया। राजभवन में राजस्थान की संस्कृति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के समागम ने अनेकता में एकता का संदेश दिया। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने कहा कि 30 मार्च राजस्थान राज्य का स्थापना दिवस है। उसी के एक हिस्से के रूप में, आज हम राजस्थान स्थापना दिवस को गर्व और उत्साह के साथ मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह दिन राजस्थान राज्य के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शौर्य की अमिट कहानियों को याद करने का दिन है। भारत का प्रत्येक राज्य अपनी विशेषताओं तथा धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के कारण अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि राज्यों की ये विशेषताएं भारतीय संस्कृति की विविधता और समृद्धि को प्रदर्शित करती हैं।

राज्यपाल गहलोत ने कहा कि भारत के विभिन्न राज्यों में मनाए जाने वाले त्योहारों और उत्सवों की अवधारणा और उद्देश्यों में समानता और सद्भाव दिखाई देता है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अवधारणा के अनुरूप प्रत्येक राज्य का स्थापना दिवस अन्य राज्यों में भी मनाया जा रहा है, जिससे हमारे देश की विशिष्ट पहचान और अनेकता में एकता की अवधारणा को और बल मिलता है। किसी अन्य राज्य का स्थापना दिवस मनाने से सामाजिक एकीकरण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलता है।

झुग्गीवासियों को तोड़फोड़ करने का नोटिस देना नैसर्गिक न्याय के खिलाफ: उत्तराखंड उच्च न्यायालय

नैनीताल/भाषा। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने देहरादून के विकास नगर क्षेत्र में झुग्गीवासियों के घरों को ढहाने पर रोक लगाते हुए कहा है कि तोड़फोड़ करने के नोटिस नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं। जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र और न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की खंडपीठ ने कहा कि निवासियों को सुनवाई का अवसर दिये बिना तोड़फोड़ करने के नोटिस जारी कर दिये गए। पीठ ने आदेश दिया कि अगले आदेश तक तोड़फोड़ पर रोक रहेगी। याचिकाकर्ता देहरादून जिला स्थित विकास नगर के विभिन्न गांवों के निवासी हैं और देश के वैध नागरिक हैं। उन्हें पांच अप्रैल को नोटिस प्राप्त हुए, जिनमें कहा गया है कि उनकी संपत्तियों को ध्वस्त किया जाना है क्योंकि वे जल निकायों, मौसमी जल धाराओं और नालों पर बने हैं।

आंध्र प्रदेश में एक पटाखा कारखाने में आग लगने से आठ लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुख्यमंत्री ने जांच का आदेश दिया

विशाखापत्तनम/भाषा। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में रविवार को एक पटाखा कारखाने में आग लगने से दो महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर दुख व्यक्त किया। नायडू ने घटना की जांच के आदेश भी दिए और अधिकारियों से रिपोर्ट सौंपने को कहा।

राज्य की गृह मंत्री वी. अनिता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''आग लगने की दुर्घटना में दो महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए।'' उन्होंने बताया कि घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मामले में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। दुर्घटना अपराह्न लगभग 12:45 बजे हुई और अधिकारी फिलहाल शवों को निकालने और घायलों को अस्पताल पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोग भी घटनास्थल पर पुलिस की मदद कर रहे हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने अनिता और जिले के अधिकारियों को घायलों के लिए बेहतर चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। वाईएसआर कांग्रेस प्रमुख वाई एस जगनमोहन रेड्डी ने भी घटना पर दुख व्यक्त किया और सरकार से पीड़ितों की मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने अपनी पार्टी के नेताओं से पीड़ितों को हर संभव सहायता देने को भी कहा।

गाजी बाबा के मारे जाने के बाद नेतृत्व हीन हो गया था जैश-ए-मोहम्मद: बीएसएफ

नई दिल्ली/भाषा। वर्ष 2003 में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक अभियान में आतंकवादी गाजी बाबा के मारे जाने के बाद आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद लगभग नेतृत्व हीन हो गया था। बीएसएफ के इस अभियान पर बनी एक एक्शन फिल्म रिलीज के लिए तैयार है। इस अभियान के लिए अर्धसैनिक बल को दो सैन्य अलंकरणों सहित एक दर्जन वीरता पदक भी मिले थे।

यह अभियान 1965 में गठित बीएसएफ के आधिकारिक इतिहास की किताब में अंकित हो गया है। बीएसएफ का मुख्य कार्य देश की आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के कर्तव्यों का निर्वहन करने के अलावा पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगी भारतीय सीमा की रक्षा करना है। 'ग्राउंड जीरो' नामक एक हिंदी फिल्म इस अभियान और उस समय के सर्वाधिक वांछित आतंकवादियों में से एक को मार गिराने वाले बीएसएफ के बहादुर अधिकारियों और जवानों के कारनामों पर आधारित है। यह फिल्म 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अभिनेता इमरान हाशमी ने फिल्म में बीएसएफ के दूसरे नंबर के अधिकारी नरेन्द्र नाथ धर दुबे की भूमिका निभाई है, जिन्होंने आतंकवादी गाजी बाबा को मार गिराने के अभियान का नेतृत्व किया था। बीएसएफ ने राणा ताहिर नदीम उर्फ गाजी बाबा की तलाश उस दिन से ही शुरू कर दी थी, जब दिसंबर 2001 में जैश-ए-मोहम्मद ने भारतीय संसद पर हमला किया था। बीएसएफ के इतिहास के बारे में लिखी 319 पृष्ठों की इस पुस्तक के मुताबिक 'लगातार' खुफिया जानकारी और निगरानी प्रयासों के कारण, बल को 29 अगस्त 2003 को इस आतंकवादी के बारे में जानकारी मिल गई।

आरटीआई कानून को कमजोर करने वाले संशोधन को रद्द करें : रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि नागरिकों के सूचना के अधिकार को विधि निर्माताओं के सूचना के अधिकार के बराबर मानने वाले अधिनियम के प्रावधान को हटाना पूरी तरह से अनुचित है। उन्होंने केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री अश्विणी वैष्णव से 2005 के मूल अधिनियम में किए गए संशोधन की समीक्षा करने और उसे निरस्त करने की अपील की।

रमेश का यह बयान वैष्णव द्वारा उनके पत्र का जवाब देने के कुछ दिनों बाद आया है। इस पत्र में कांग्रेस नेता ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम 2023 की धारा 44(3) पर चिंता जताई थी, जो सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम 2005 के तहत व्यक्तिगत जानकारी साझा करने पर प्रतिबंध लगाती है। रमेश के पत्र के जवाब में वैष्णव ने कहा कि ऐसी व्यक्तिगत जानकारियां, जो विभिन्न कानूनों के तहत सार्वजनिक प्रकटीकरण के अधीन हैं, उनका नये डेटा संरक्षण नियम के लागू होने के बाद भी आरटीआई अधिनियम

के तहत साझा किया जाना जारी रहेगा। कांग्रेस नेता ने वैष्णव को रविवार को लिखे नये पत्र में कहा, डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम, 2023 की धारा 44 (3) के जरिये आरटीआई अधिनियम, 2005 में किए गए दूरगामी प्रभाव वाले संशोधन के सिलसिले में 23 मार्च, 2025 के मेरे पत्र का 10 अप्रैल, 2025 को जवाब देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। उन्होंने कहा, अब मैं इस विनाशकारी संशोधन के बचाव में आपकी ओर से दिए गए तर्क के जवाब में चार बिंदु रखना चाहता हूं। पहला-आपके पत्र में आरटीआई अधिनियम, 2005 के अंतर्गत खुलासों को संरक्षित करने के लिए डीपीडीपी अधिनियम, 2023 की जिस धारा 3 का जिक्र किया गया है, वह पूरी तरह से अप्रासंगिक है, क्योंकि आरटीआई अधिनियम, 2005 की धारा 8(1) में ही बड़े पैमाने पर संशोधन किया गया है।

रमेश ने कहा, डीपीडीपी अधिनियम की धारा 3 अब केवल संशोधित अधिनियम के अनुसार खुलासे की रक्षा करेगी, जो सभी व्यक्तिगत सूचनाओं को सुलभ होने से छूट देती है।

उन्होंने कहा कि आरटीआई अधिनियम, 2005 के क्रियान्वयन ने दर्शाया है कि यह कानून ऐसी व्यक्तिगत जानकारी का प्रकटीकरण रोकने में सक्षम है, जिसका किसी सार्वजनिक गतिविधि या सार्वजनिक हित से कोई लेना-देना नहीं है, जैसा कि शीर्ष अदालत और विभिन्न उच्च न्यायालयों के कई फैसलों से पता चलता है। कांग्रेस नेता ने तर्क दिया कि आरटीआई अधिनियम की धारा 8(1) के उस प्रावधान को हटाना पूरी तरह से अनुचित है, जो नागरिकों के सूचना के अधिकार को विधि निर्माताओं के सूचना के अधिकार के बराबर मानता है। उन्होंने कहा, तीसरा-यह प्रावधान वास्तव में केवल व्यक्तिगत सूचना के प्रकटीकरण को मिली छूट पर ही नहीं, बल्कि आरटीआई अधिनियम, 2005 की धारा 8(1) में दी गई सभी छूट पर लागू होता है।

बैसाखी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने पंजाब और हरियाणा के गुरुद्वारों में मत्था टेका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब, हरियाणा और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में श्रद्धालुओं ने रविवार को बैसाखी के अवसर पर गुरुद्वारों में मत्था टेका। लाखों श्रद्धालुओं ने अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर, आनंदपुर साहिब स्थित श्री केसगढ़ साहिब, बठिंडा स्थित तख्त दमदमा साहिब और पटियाला स्थित दुख निवारण साहिब सहित अन्य गुरुद्वारों में मत्था टेका।

बैसाखी का त्योहार 10वें सिख गुरु गोबिंद सिंह द्वारा 'खालसा पंथ' (सिख संप्रदाय) की स्थापना के दिवस का भी प्रतीक है। बैसाखी फसल कटाई के मौसम की शुरुआत का भी प्रतीक है। पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने बैसाखी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल ने कहा कि सिख धर्म के गौरवशाली इतिहास में इस अवसर का विशेष महत्व है, क्योंकि इस दिन गुरु गोबिंद सिंह ने मुगलों के अत्याचार के खिलाफ लड़ने और मानवीय और धर्मनिरपेक्ष लोकाचार की रक्षा के लिए श्री आनंदपुर साहिब में 'खालसा संप्रदाय' की स्थापना की थी और इसके लिए अपने पूरे परिवार का बलिदान दिया था। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 'खालसा साजना दिवस' और 'बैसाखी' के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपनी पत्नी के साथ पटियाला स्थित दुख निवारण गुरुद्वारे में मत्था टेका।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भी बैसाखी के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और पंजाब के आनंदपुर साहिब स्थित गुरुद्वारे में मत्था टेका।

सेवादल के कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

सेवादल कांग्रेस पार्टी का मुख्य स्तंभ है : डी.के. शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, सेवादल कांग्रेस पार्टी का मुख्य स्तंभ है। ऐसा मत सोचिए कि आप पार्टी में सबसे पीछे हैं। सेवादल को तालुका और जिला स्तर पर शक्ति देने की योजना है। रविवार को क्वींस रोड स्थित भारत जोड़ो भवन में आयोजित भारतीय सेवा दल के राज्य स्तरीय सम्मेलन में केपीसीसी के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने यह बात कही। उन्होंने कहा, समाज, सेवा करने वालों को अधिक पहचानता है। यही कारण है कि हमारे समाज में भगवान राम के पिता भगवान दशरथ की तुलना में भगवान राम के भक्त हनुमान के अधिक मंदिर हैं। इसी तरह आप कांग्रेस पार्टी के स्तंभ हैं। सेवा दल के सभी कार्यकर्ताओं को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए। उन्होंने कहा, सेवादल की स्थापना देश की सुरक्षा के उद्देश्य से की गई थी। इसकी शुरुआत नेहरू के कार्यकाल में हुई और यह मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यकाल तक जारी रहा। आपको यह सोच छोड़ देनी चाहिए कि सेवादल कांग्रेस पार्टी का एक विंग है और हमें मान्यता नहीं देता। नेहरू और इंदिरा गांधी ने खुद सेवादल को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया था, यह मानते हुए कि आपमें नेतृत्व के गुण हैं।

उन्होंने कहा, सभी नेता सेवा दल द्वारा पहनी जाने वाली गांधी टोपी पहनते हैं। बेलगाम अधिवेशन के शताब्दी कार्यक्रम में सभी नेताओं ने इसे पहना था। आप अन्य नेताओं के बराबर हैं। बी.के. हरिप्रसाद ने राष्ट्रीय सेवा दल के अध्यक्ष के रूप में काम किया है। वह संसद के सदस्य हैं।

कई अन्य लोगों ने सेवा दल में काम किया है। वे विधायक और मंत्री बनकर महान नेता बन गए हैं। उन्होंने कहा, हमें जन्म के बाद समाज की सेवा करनी चाहिए। हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि हम कुछ नहीं कर सकते। आप विधायक, मंत्री, मुख्यमंत्री बन सकते हैं। अपना आत्मविश्वास मत खोइए। अच्छे दिन आने वाले हैं। मल्लिकार्जुन खरगे, जो ब्लॉक अध्यक्ष थे, अब राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। वह और राहुल गांधी जिला कांग्रेस को नया आकार देने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की चयन समिति सेवादल सहित महिला कांग्रेस और युवा कांग्रेस की राय प्राप्त करने का काम करेगी। हमने आपकी सेवा को ध्यान में रखा है। सेवादल में नए लोगों को अवसर दिया जाना चाहिए। भारत जोड़ो के दौरान हमने कई स्थानों की पहचान की और एक स्थायी कांग्रेस प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा। हमने मंगलूरु में भी एक जगह देखी है। इसकी जिम्मेदारी भी सेवादल को सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा, हम अब इस बारे में सोच रहे हैं कि कैसे ज्ञान प्राप्त किया जाए और अपने स्तंभों को कैसे विकसित किया जाए। आने वाले दिनों में जिला कांग्रेस ने हर मुद्दे पर राय एकत्र करने और उन्हें चुनाव प्रक्रिया में उपयोग करने का निर्णय लिया है। वे राज्य में आएंगे और जिला अध्यक्ष से सीधे चर्चा करेंगे।

उन्होंने सुझाव दिया, मैं सेवादल के अध्यक्ष रामचंद्रप्पा को सुझाव देता हूं कि सेवादल के सदस्य एक टीम बनाएं और प्रत्येक जिले में जाकर सेवादल के बाहर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पार्टी का झंडा फहराने, राष्ट्रगान गाने, वंदे मातरम गाने तथा अन्य पहलुओं का प्रशिक्षण दें। यदि ऐसा किया जाता है तो अन्य कार्यकर्ता भी सेवादल में शामिल होंगे। आपको मानसिक रूप से मजबूत होना चाहिए। जिला और तालुका स्तर पर सेवा दल को यथासंभव शक्ति दी जाएगी। हमने देखा है कि कुछ नेता आपके साथ असम्मानजनक व्यवहार कर रहे हैं। उचित समय पर उन्हें उचित संदेश भेजा जाएगा। सेवा दल के पास बूथ स्तर पर भी प्रतिनिधि होने चाहिए। हमारी सरकार ने हर गरीब परिवार के आर्थिक विकास के लिए गारंटी योजनाओं के माध्यम से प्रति वर्ष 52,000 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने कहा, कोई कुछ भी चिल्लाए, आपकी सरकार राज्य में फिर से सत्ता में आएगी।

जाति जनगणना : सरकार जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेगी : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट (जाति जनगणना) के सिलसिले में जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेगी। इस रिपोर्ट को हाल ही में राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष पेश किया गया था। शिवकुमार ने कहा कि मंत्रिमंडल सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट का अध्ययन करेगा और तथ्यों के आधार पर सभी के साथ न्याय किया जाएगा। उन्होंने रिपोर्ट के खिलाफ दिए जा रहे बयानों को राजनीतिक करार दिया।

कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट शुक्रवार को मंत्रिमंडल के समक्ष रखी गई और 17 अप्रैल को होने वाली विशेष कैबिनेट बैठक में इस पर चर्चा की जाएगी। तत्कालीन अध्यक्ष के जयप्रकाश हेगड़े के नेतृत्व वाले आयोग ने पिछले साल 29 फरवरी को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को रिपोर्ट सौंपी थी, जबकि समाज के कुछ वर्गों ने इस पर आपत्ति जताई थी और सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर भी इसके खिलाफ आवाज उठ रही थी।

शिवकुमार ने कहा, मुख्यमंत्री ने इसके बारे में बात की है। मैंने अभी तक रिपोर्ट नहीं देखी है, क्योंकि मैं कल बेलगावी और मंगलूरु के दौरे पर था। इस पर मंत्रिमंडल बैठक में चर्चा होनी है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि इस पर विधानसभा में भी चर्चा की जाएगी। कोई भी जल्दबाजी में फैसला नहीं लेगा।

बेंगलूरु के पास डोड्डाबल्लापुर में संवाददाताओं से मुखातिब उपमुख्यमंत्री ने कहा, कुछ लोग इसके (जाति जनगणना) बारे में राजनीतिक बयानबाजी कर रहे हैं, लेकिन हम तथ्यों को समझेंगे और सभी के साथ न्याय करेंगे। इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा कि उन्हें नहीं पता कि रिपोर्ट में क्या है, इसलिए वह इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहेंगे।

खरगे ने कहा, मुझे नहीं पता, क्योंकि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि मंत्रिमंडल बैठक में क्या चर्चा होगी या रिपोर्ट में क्या है। अगर मुझे रिपोर्ट मिलती है, तो मैं कुछ कह सकता हूं। या अगर 17 अप्रैल की मंत्रिमंडल बैठक में कोई स्पष्ट निर्णय लिया जाता है, तो मैं उस पर प्रतिक्रिया दे सकता हूं। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, कर्नाटक में 2015 में किए गए सर्वेक्षण में शामिल कुल 5.98 करोड़ नागरिकों में से लगभग 70 फीसदी यानी 4.16 करोड़ विभिन्न ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) श्रेणियों के अंतर्गत आते हैं। सूत्रों ने बताया कि आयोग ने ओबीसी कोटा को मौजूदा 32 फीसदी से बढ़ाकर 51 प्रतिशत करने की सिफारिश की है।

कर्नाटक में अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय को मौजूदा समय में 17 फीसदी, जबकि अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय को सात प्रतिशत आरक्षण हासिल है। ओबीसी समुदाय को 51 प्रतिशत आरक्षण देने में राज्य में कुल आरक्षण 75 फीसदी हो जाएगा। आधिकारिक सूत्रों ने रिपोर्ट के हवाले से कहा कि कर्नाटक में एसी और एसटी समुदाय मिलकर सबसे बड़ा सामाजिक समूह हैं, जिनकी कुल जनसंख्या लगभग 1.52 करोड़ है। सूत्रों ने कहा कि रिपोर्ट से ओबीसी समुदाय का जातिवार ब्योरा अभी पता नहीं चल सका है, जबकि इसमें ओबीसी की श्रेणी-2बी के तहत आने वाले मुसलमानों की आबादी लगभग 75.25 लाख और सामान्य वर्ग की जनसंख्या करीब 29.74 लाख बताई गई है। कर्नाटक के दो प्रमुख समुदाय-वोक्कालिगा और लिंगायत-इस सर्वेक्षण को अवैज्ञानिक बताते हुए इसे खारिज करने और नया सर्वेक्षण कराने की मांग कर रहे हैं।

रथोत्सव

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद तेजस्वी सूर्या रविवार को बेंगलूरु में आदि शक्ति द्रौपदीम्मा करगा शक्तिोत्सव और धर्मरायस्वामी रथोत्सव में भाग लेते हुए।

हुब्बल्ली में अगवा की गई पांच साल की बच्ची की हत्या, लोगों में आक्रोश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। हुब्बल्ली जिले में रविवार को एक व्यक्ति ने कथित तौर पर पांच साल की बच्ची का अपहरण करने के बाद उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अशोक नगर पुलिस थाना क्षेत्र में यह घटना हुई और बच्ची का शव एक खाली पड़ी इमारत में मिला। ऐसी खबरें सामने आई हैं कि बच्ची का यौन उत्पीड़न किया गया है, लेकिन पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

पुलिस ने कहा कि बच्ची की मेडिकल जांच कराई जा रही है और मामले की पुलिस जांच भी जारी है। उक्त इलाके के लोगों में इस घटना से आक्रोश फैल गया और वे बड़ी संख्या में अशोक नगर पुलिस थाने के सामने एकत्र हुए। उन्होंने बच्ची को न्याय दिलाने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया।

हुब्बल्ली-धारवाड़ के पुलिस आयुक्त एन. शशि कुमार ने यहां संवाददाताओं को बताया, ''बच्ची के माता-पिता की शिकायत पर कार्रवाई की जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।'' उन्होंने बताया कि बच्ची का परिवार कोप्पल जिले से है। उसकी मां एक घरेलू नौकरानी और एक ब्यूटी पार्लर में सहायक के रूप में काम करती है जबकि उसके पिता एक पेंटर के रूप में काम करते हैं।

कुमार ने कहा, ''बच्ची की मां इलाके के घरों में काम करती है, इसलिए वह उसे अपने साथ ले गई थी। एक अज्ञात व्यक्ति वहां से बच्ची को ले गया था। तलाश करने पर बच्ची घर (यहां से ही बच्ची को ले जाया गया था) के सामने स्थित एक अस्थायी मकान के स्नान घर में मिली। बच्ची को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।''

आयुक्त ने कहा कि अपराधी को जल्द से जल्द पकड़ लिया जाएगा और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आरोपी के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

एक बार आरोपी की पहचान हो जाए, जिसके बाद उसके ठिकाने और अन्य विवरण का पता लगाया जा सकेगा और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। यह पूछे जाने पर कि क्या बच्ची के साथ बलात्कार की कोशिश या उसका यौन उत्पीड़न किया गया, तो अधिकारी ने कहा, ''अभी तक इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। मौत का कारण और बच्ची पर किसी तरह का हमला हुआ था या नहीं, इन सबकी पुष्टि की जाएगी।''

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने और पुलिस को उसका काम करने देने का अनुरोध किया है।

जद (एस) विधायक ने सिद्दरामय्या पर विपक्षी विधायकों को प्रलोभन देने का आरोप लगाया

बेंगलूरु। जद (एस) विधायक एम टी कृष्णप्पा ने शनिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर विपक्षी विधायकों को कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के लिए प्रलोभन देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, अगर मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए पॉलिटेक्निक कॉलेज की मांग करता हूं तो सिद्दरामय्या मुझे कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के लिए कहते हैं। क्या एक मुख्यमंत्री के लिए इस तरह का व्यवहार सही है?

तुरुवेकेरे से विधायक ने महंगाई और कथित भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ जद (एस) के विशाल प्रदर्शन में भाग लेते हुए यह आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जब हम पॉलिटेक्निक कॉलेज की मांग करते हैं तो वे कहते हैं 'कांग्रेस में शामिल हो जाओ।' कांग्रेस में क्यों? यह डूबती हुई पार्टी है। भले ही इसमें बीस साल और लग जाएं, मैं जद (एस) के साथ ही रहूंगा।

कांग्रेस सरकार की 'मुस्लिम तुष्टिकरण' की रणनीति से कर्नाटक में भी बंगाल जैसी स्थिति पैदा होगी : मोहन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं बेंगलूरु मध्य से सांसद पी सी मोहन ने रविवार को आरोप लगाया कि बंगाल सरकार की 'तुष्टीकरण की खतरनाक राजनीति' के कारण पश्चिम बंगाल के हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले से हिंदुओं को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि कर्नाटक कांग्रेस की 'तुष्टीकरण की रणनीति' से यहां भी ऐसी ही स्थिति

उत्पन्न हो सकती है।

मोहन ने 'हिंदुओं से जागने' का आह्वान किया तथा सार्वजनिक अनुबंधों में मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के राज्य सरकार के कदम को 'तुष्टीकरण की रणनीति' का करार दिया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मुर्शिदाबाद में जो कुछ हो रहा है, वह पश्चिम बंगाल सरकार की तुष्टीकरण की खतरनाक राजनीति का प्रत्यक्ष परिणाम है, जिसके कारण हिंदुओं को पलायन करना पड़ रहा है। कर्नाटक कांग्रेस की तुष्टीकरण की रणनीति, जैसे सरकारी ठेकों में मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण देने जैसे कदमों से ऐसी ही स्थिति कर्नाटक में भी पैदा हो सकती है। जागो हिंदुओं!

मंगलूरु को शीघ्र ही 'वंदे भारत स्लीपर ट्रेन' की सुविधा मिलेगी : रेल राज्य मंत्री

मंगलूरु। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने यहां घोषणा की कि मंगलुरु को शीघ्र ही 'वंदे भारत स्लीपर ट्रेन' की सुविधा मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को यहां मंगलूरु सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह घोषणा की जिसमें उन्होंने मंगलूरु सेंट्रल-कबक पुत्तूर रेल सेवाओं के सुब्रह्मण्य रोड तक विस्तार को हरी झंडी दिखाई।

मंगलूरु सेंट्रल-कबक पुत्तूर तक चलने वाली चार यात्री रेल सेवाओं का सुब्रह्मण्य रोड तक विस्तार किया गया है जिससे क्षेत्र के रेल यात्रियों, विशेषकर सुब्रह्मण्य जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा होगी। इस कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान सोमन्ना ने घोषणा की, मंगलूरु को जल्द ही 'वंदे भारत स्लीपर ट्रेन' की सुविधा भी मिलेगी जिससे लंबी दूरी के यात्री और अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव कर सकेंगे।

मंगलूरु और कर्नाटक को इस तरह की ट्रेन सुविधाएं देने और सेवाओं का विस्तार करने के लिए केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रशंसा की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सोमन्ना के साथ दक्षिण कन्नड़ के सांसद कैप्टन बृजेश चौटा और कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यू.टी. खादर भी उपस्थित थे।

जाति जनगणना रिपोर्ट में पिछड़े वर्ग का आरक्षण बढ़ाकर 51 प्रतिशत करने की सिफारिश

बेंगलूरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत जाति जनगणना रिपोर्ट में पिछड़े समुदायों के लिए आरक्षण को मौजूदा 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 51 प्रतिशत करने की सिफारिश की गई है। सरकारी सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि पिछड़ी जातियों की जनसंख्या 70 प्रतिशत है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में पिछड़े समुदायों को 51 प्रतिशत आरक्षण दिया जाना चाहिए।सूत्रों ने बताया कि इसमें तमिलनाडु और झारखंड का उदाहरण दिया गया है, जो पिछड़े वर्ग की आबादी के अनुसार क्रमशः 69 और 77 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि अन्य पिछड़ी जातियों की कुल जनसंख्या 4,16,30,153 है।

बातचीत

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी रविवार को हुब्बली धारवाड़ में भीमा हेज्ञे के शताब्दी समारोह के दौरान मीडिया से बात करते हुए।

जोशी का ममता पर पलटवार

वक्फ कानून सबको मानना होगा, मुर्शिदाबाद हिंसा पर घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वक्फ संशोधन अधिनियम पर दिए बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। जोशी ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह एक केंद्रीय कानून है और 2013 के अधिनियम के बाद जो भी प्रक्रिया अपनाई गई है, वह उसी के अनुरूप है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी राज्यों को इसे लागू करना होगा और इसके लिए कोई दूसरा विकल्प मौजूद नहीं है। इसके साथ ही, जोशी ने मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के मुद्दे पर ममता बनर्जी सरकार को घेरा।

उन्होंने कहा कि राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति को ठीक से संभालने की आवश्यकता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि वहां दिन-रात एक विशेष धर्म, यानी हिंदू समुदाय से जुड़े लोगों की हत्याएं हो रही हैं, जिसकी वह कड़ी निंदा करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने पश्चिम बंगाल सरकार से स्थिति को तुरंत नियंत्रण में लाने का आग्रह किया। उन्होंने दोहराया कि वक्फ संशोधन अधिनियम को सभी को लागू करना होगा और इस संबंध में कोई भी प्रश्न नहीं उठाया जा सकता है। जोशी का यह बयान ममता बनर्जी के उस बयान के जवाब में आया है जिसमें उन्होंने वक्फ संशोधन अधिनियम पर अपनी राय व्यक्त की थी। केंद्रीय मंत्री का रुख स्पष्ट और कठोर है, जो केंद्र सरकार की इस कानून को लेकर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही, उन्होंने मुर्शिदाबाद हिंसा के मुद्दे को उठाकर राज्य सरकार पर दबाव बनाने का प्रयास किया है।

संविधान निर्माण में अंबेडकर की भूमिका है अतुल्य : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने संविधान निर्माता एवं भारत रत्न डा भीमराव अम्बेडकर को उनकी जयंती पर नमन करते हुए कहा है कि संविधान निर्माण में उनकी भूमिका अतुल्य हैं। देवनानी ने कहा कि डा अम्बेडकर ने अपना सम्पूर्ण जीवन समाज के जरूरतमंद, पिछडे, उपेक्षित और निर्बल वर्गों को उन्नत करने में लगाया और स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। स्वतन्त्र भारत को एक लोकतांत्रिक राष्ट्र बनाने के लिए संविधान निर्माण में उन्होंने अतुल्य भूमिका निभाई। बाबा साहेब ने पिछड़े और कमजोर वर्ग के अधिकारों के लिए संघर्ष किया।

डा अम्बेडकर के सामाजिक सद्भाव, समानता, सामाजिक न्याय के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि संविधान के बाईस भागों के मुख पृष्ठ पर भारत की संस्कृति और स्वाभिमान को दिखाती हुई तस्वीरें है।

उन्होंने कहा कि इन तस्वीरों में भारत की प्राचीन सभ्यता मोहनजोदड़ो से लेकर महाभारत में कुरुक्षेत्र और कृष्ण द्वारा दिए गए

गीता के ज्ञान, भगवान राम की लंका विजय, भगवान बुद्ध का जीवन चरित्र, महान सम्राट अशोक, उज्जैन के न्यायप्रिय महाराज विक्रमादित्य के राजदरबार, प्राचीन वैदिक गुरुकुल, नालंदा विश्वविद्यालय, भगवान नटराज, रामभक्त हनुमान के साथ ही झांसी की रानी लक्ष्मी बाई, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, छत्रपति वीर शिवाजी और गुरु गोविन्द सिंह को प्रदर्शित किया गया है।

देवनानी ने कहा कि भारत का संविधान विश्व का सबसे लम्बा और लिखित संविधान है। यह हमारे लोकतांत्रिक गणराज्य की नींव है। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान का इतिहास उन लाखों भारतीयों के संघर्षों और स्वतंत्र होने की आशाओं में निहित है जो स्वतंत्रता, न्याय एवं समानता के लिए तरस रहे थे। महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल, बाबा साहब अम्बेडकर, वीर सावरकर जैसे महापुरुषों के नेतृत्व में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम ने एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक भारत के लिए आशा की चिंगारी जलाई थी। उन्होंने कहा कि डा अम्बेडकर को संविधान के मुख्य वास्तुकार के रूप में जाना जाता है और भारतीय संविधान अद्भुत तार्किकता, दूरदर्शिता, संवेदनशीलता से युक्त एक ऐसा दस्तावेज है जिसमें विश्व के विभिन्न संविधानों के सर्वोत्तम तत्वों को शामिल किया गया था, साथ ही यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और दार्शनिक परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करता है।

अपने वोटों को साधने के लिए ममता सरकार ने बंगाल को जलने के लिए छोड़ा : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि बहुसंख्यक हिंदुओं पर राज्य में हमले हो रहे हैं और ममता बनर्जी की सरकार चुप है। केवल अपने वोटों को साधने के लिए उसने बंगाल को जलने के लिए छोड़ दिया है। शेखावत ने रविवार को अपने गृह जिले जोधपुर में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य के संरक्षण में और अपने वोटों के तुष्टीकरण के लिए जिस तरह के हालात बंगाल में ममता बनर्जी सरकार के चलते हुए बने हैं, वो निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों रामनवमी उत्सव के समय और उसके बाद से लेकर अब निरंतर बहुसंख्यक हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं। धार्मिक आधार पर उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। मंदिरों को क्षति पहुंचाई जा रही है। बहू-बेटियों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। उसके बाद में भी ममता बनर्जी की सरकार चुप है और केवल अपने वोटों को साधने के लिए उसने बंगाल को जलने के लिए और हिंदू समाज को भुगतने के लिए छोड़ दिया है। उन्होंने कहा यह हालात एक बार फिर आजादी से पहले जिस तरह की व्यवस्था बंगाल में हुई थी, बंगाल विभाजन के समय हुई थी, उसका पुर्नस्मरण कराता है लेकिन मैं ऐसा मानता हूं कि अब जिस तरह की चेतना व्याप्त हुई है, आने वाले चुनाव में बंगाल को इससे मुक्ति मिलेगी और बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी।

प्रदेश सरकार कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए कटिबद्ध : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने जोधपुर की पंचायत समिति मंडोर की नांदड़ी ग्राम पंचायत मुख्यालय पर रविवार को 61 लाख रूपये की लागत से ग्राम पंचायत नवनिर्मित भवन का विधिवत रूप से फीता काटकर लोकार्पण किया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा गरीबी मुक्त राजस्थान के लिए 'पण्डित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गाँव योजना' प्रारम्भ की गई है। प्रथम चरण में 5 हजार गाँवों में योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है।उन्होंने कहा स्वामित्व योजना के इस वर्ष में 2 लाख परिवारों को नए पट्टे वितरित किए जाएंगे।

पटेल ने कहा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चतुर्थ चरण के तहत प्रदेश में लगभग 1600 बसावटों को चरणबद्ध रूप से आगामी 2 वर्षों में डामर सड़कों से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा चरणबद्ध रूप से 5 हजार से अधिक आबादी वाले ग्रामीण कस्बों में अटल प्रगति पथ का निर्माण करवाया जा रहा है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कृषि एवं किसान कल्याण के लिए पीएम किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाकर 9 हजार रुपये प्रतिवर्ष की गई है और गेहूँ के एमएसपी पर प्रति क्विंटल 150 रुपये का बोनस उपलब्ध करवाया जा रहा है। पटेल ने कहा कि प्रदेश में सबसे पिछड़े 35 ब्लॉक्स में विकास को गति देने के लिए गुरु गोलवलकर एस्पिरेशनल ब्लॉक्स डेवलपमेंट स्कीम के तहत 75 करोड़ रुपये का व्यय किया जाएगा। उन्होंने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए इस वर्ष महात्मा गांधी नरेगा के तहत 34 करोड़ मानव दिवसों का सृजन किया जाएगा।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में सुशासन एवं जन केंद्रित प्रशासन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में नवीन पंचायत भवनों में मिनी सचिवालय की स्थापना की जा रही है। जिसके तहत एक ही छत के नीचे ग्रामीण विकास, पंचायती राज, राजस्व, कृषि विभाग एवं ई-मित्र संबंधित आमजन से जुड़े कार्य संपादित किए जाएंगे। पटेल ने कहा कृषि एवं उद्यानिकी के विकास के लिए 'राजस्थान कृषि विकास योजना' के तहत इस वर्ष 1 हजार 350 करोड़ के कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गयी है। इस वर्ष 35 लाख किसानों को 25 हजार करोड़ का ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण वितरित किया जाएगा।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा इस वर्ष प्रदेश के युवाओं को एक लाख 25 हजार पदों पर सरकारी नौकरी दी जाएगी और निजी क्षेत्र में एक लाख 50 हजार युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने कहा वर्षों बाद ड्राइवर एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पदों के बड़ी भर्ती की जा रही है और पेपर लीक माफिया पर निरंतर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

तीन दिवसीय सम्मेलन में बाघों को बचाने के लिए तत्काल कदम उठाने पर जोर

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में आयोजित 'रॉयल रणथंभौर इंटरनेशनल टाइगर वीक' 2025 के शनिवार को दूसरे दिन वन्यजीव संरक्षण में प्रदेश की भूमिका, वन्यजीव आवासों की सुरक्षा, वन्यजीव शिकार के खिलाफ उठाये गये कदम पर प्रकाश डाला गया। इसके अलावा बाघ संरक्षण के लिए अद्वितीय कार्य करने वाले लोगों को सात श्रेणियों में सम्मानित किया गया। 'वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष एम.के. रणजीत सिंह झाला को 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड और राजसमंद के दिवंगत रेंजर किशोर कुमार समेत तीन लोगों को 'टाइगर वारियर्स अवॉर्ड' से नवाजा गया।

तीन दिवसीय 'रॉयल रणथंभौर इंटरनेशनल टाइगर वीक' 2025 का समापन रविवार को टाइगर सफारी के साथ होगा। 'रॉयल रणथंभौर इंटरनेशनल टाइगर वीक' के संस्थापक सुनील मंगल ने बताया कि बाघ संरक्षण एवं सुरक्षा कानून में अपना अहम योगदान निभाने वाले 'वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष एम.के. रणजीतसिंह झाला को 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि राजसमंद के दिवंगत रेंजर किशोर कुमार को 'टाइगर वॉरियर्स अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

सामाजिक क्रांति के अग्रदूत और वंचित वर्गों के अधिकारों के सजग प्रहरी थे बाबा साहेब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय ,जोधपुर के अम्बेडकर अध्ययन केंद्र एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति एवं शिकायत प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में बृहस्पति भवन में रविवार को 'डॉ. बी.आर.अंबेडकर और भारतीय संविधान 75 वर्ष' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, संसदीय कार्य विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो कांता कटारिया, आईपीएए के महासचिव प्रो वाई पार्दसारधी, पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. केएल रैगर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई।

पटेल ने कहा डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारत के संविधान निर्माता, सामाजिक क्रांति के अग्रदूत और वंचित वर्गों के अधिकारों के सजग प्रहरी के रूप में सदियों तक याद रखे जाएंगे। उन्होंने कहा डॉ. अंबेडकर केवल संविधान निर्माता नहीं, बल्कि महान विचारक, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री और मानवाधिकारों के संवाहक भी थे। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा डॉ अंबेडकर ने संविधान को समावेशी, प्रगतिशील और लोकतांत्रिक स्वरूप प्रदान किया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि देश के प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार मिले, चाहे उसकी जाति, धर्म, लिंग या सामाजिक स्थिति कोई भी हो। पटेल ने कहा कि महिला अधिकारों और श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में डॉ अंबेडकर के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा डॉ अंबेडकर ने 8 घंटे के कार्य दिवस, महिला श्रमिकों की सुरक्षा, सवेतन अवकाश और भविष्य निधि जैसे ऐतिहासिक निर्णयों से देश के श्रमिकों को सशक्त बनाया।

संसदीय कार्य मंत्री ने प्रतिभागियों से आह्वान करते हुए कहा हम अपने जीवन में संवैधानिक मूल्यों जैसे - न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को आत्मसात करें और एक समतामूलक समाज के निर्माण में सहभागी बनें। पटेल ने कहा बाबा साहेब का जीवन आज भी हमारी प्रेरणा है। हमें न केवल उनके विचारों को समझना है, बल्कि उन्हें आत्मसात करना है ताकि हम उनके सपनों का भारत बना सकें। जिसमें सामाजिक एवं आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना सुनिश्चित हो।

अनेक भागों में लू चलने की संभावना

जयपुर। राजस्थान में आगामी चार-पांच दिन मौसम मुख्यतः शुष्क रहने तथा तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी के साथ अनेक भागों में लू चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार से पश्चिमी राजस्थान में लू चलने का नया दौर शुरू होगा और प्रदेश के कुछ हिस्सों में 15-16 अप्रैल को लू चलने की प्रबल संभावना है। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि आगामी दिनों में जोधपुर, बीकानेर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के अनेक भागों में लू तथा कहीं-कहीं तीव्र लू चलने की प्रबल संभावना है। इस दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 45-46 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि 17-18 अप्रैल को एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं मेघगर्जन व हल्की-मध्यम आंधी आने की संभावना है।

कार और ट्रेलर की भिड़ंत में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

जयपुर। जयपुर के रायसर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक कार और ट्रेलर की भिड़ंत में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। थाना प्रभारी रघुवीर सिंह ने बताया कि हादसा सुबह करीब आठ बजे मनोहरपुर-दौसा राष्ट्रीय राजमार्ग पर नेकावाला टोल के पास हुआ है जब कार में सवार पांच लोगों का परिवार दौसा की ओर से खाटूश्याम मंदिर जा रहा था तभी ट्रेलर से आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान उत्तरप्रदेश के लखनऊ निवासी सत्यप्रकाश सोनी (60), उनकी पत्नी रामादेवी (55), बेटे अभिषेक सोनी (35), पुत्र वधु प्रियांशी (30) और छह माह की पोती के रूप में की गई है। ये सभी घूमने के लिए राजस्थान आए थे। सिंह ने बताया कि हादसा संभवतः ओवरटेक करने के प्रयास में हुआ। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

वन राज्यमंत्री ने वैशाखी के पावन पर्व पर शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को वैशाखी के पावन पर्व पर अलवर शहर में भगतसिंह सर्किल पर पुरूषार्थी समाज के लोगों के साथ वीर शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे नमन किया। राज्यमंत्री संजय शर्मा ने कहा कि शहीद भगत सिंह जी का बलिदान देश के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनका बलिदान हमें देशभक्ति और सेवा की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि वीर सपूत भगतसिंह ने अपने अद्वितीय संघर्ष से स्वाधीनता आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान की इसके लिए देश इनके अतुल्य त्याग और बलिदान के लिए हमेशा ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि वैशाखी का पर्व नई ऊर्जा और उमंग का प्रतीक है।

राज्यमंत्री शर्मा ने पुरुषार्थी समाज द्वारा राजीव गांधी राजकीय सामान्य चिकित्सालय में लगाए गए वाटर कूलर का शुभारंभ किया। उन्होंने पुरुषार्थी समाज द्वारा वाटर कूलर लगाए जाने पर साधुवाद देते हुए कहा कि इस तरह के कार्य समाज में मानव सेवा का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि इस वाटर कूटर के शुरू होने से चिकित्सालय में आने वाले लोगों को शीतल जल मिलेगा। साथ ही उन्होंने पुरुषार्थी समाज द्वारा पेयजल प्रभावित दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले आमजन की पेयजल व्यवस्था हेतु शुरू किए गए 'पानी के टैंकर' को झंडी दिखाकर रवाना किया।राज्य सरकार द्वारा अपने दोनों बजटों में अलवर जिले की पेयजल समस्या समाधन हेतु अनेक सौगाते दी गई है। उन्होंने कहा कि ग्रीष्म ऋतु में आमजन को पेयजल हेतु परेशानी का सामना नहीं करने पडे इसके लिए विधायक निधि की सम्पूर्ण 5 करोड रूपये की राशि अलवर शहर की जनता की पेयजल समस्या को दूर करने के लिए समर्पित की गई हैं।

भजनलाल की बैसाखी पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई उमंग और नई फसल के स्वागत के प्रतीक पर्व बैसाखी की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर शर्मा ने अन्नदाता किसानों के पुरुषार्थ और उनके अथक परिश्रम का प्रतीक यह पर्व सभी के जीवन में समृद्धि, उल्लास और नवीन ऊर्जा का संचार करने की कामना की। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने जलियांवाला बाग हत्याकांड की वर्षगांठ पर अमर शहीदों को नमन किया और मां भारती की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले इन अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इन शहीदों का अमर बलिदान चिरकाल तक हर भारतवासी के हृदय में राष्ट्र सेवा की ज्योति जागृत करता रहेगा।

भाजपा धर्म और जाति के नाम पर लोगों को लड़ाने के एजेंडे पर काम कर रही है : जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर धर्म और जाति के नाम पर लोगों को लड़ाने के एजेंडे पर काम करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता जूली ने कहा कि उनके जाने के बाद मंदिर में गंगाजल का छिड़काव करने वाले भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा को पहले भी निलंबित किया गया था और उन्हें फिर से बहाल कर दिया गया था तथा एक महीने बाद उन्हें फिर से बहाल कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोग सब समझते हैं।

जूली ने अजमेर जिले के किशनगढ़ में संवाददाताओं से कहा, लोगों को कभी धर्म के नाम पर तो कभी जाति के नाम पर लड़ाने का एजेंडा चल रहा है। उनकी यह टिप्पणी भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा द्वारा अलवर के राम मंदिर में गंगाजल छिड़कने के कुछ दिनों बाद आई है। अलवर के मंदिर में दलित नेता जूली पूजा करने गए थे। आहूजा ने कहा था कि मंदिर में जाने वाले कांग्रेस नेताओं ने इसे अपवित्र कर दिया। जूली ने कहा, अलवर के मंदिर में गंगाजल छिड़कने के विवाद पर न तो मुख्यमंत्री और न ही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने एक शब्द बोला। केवल विधायक ज्ञानदेव आहूजा को निलंबित किया गया और उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। निलंबन पहले भी हुआ था, लेकिन वापस ले लिया गया था। यह निलंबन केवल दिखावा है। इसे भी वापस ले लिया जाएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा था कि पार्टी आहूजा के बयान और कार्रवाई का समर्थन नहीं करती। रविवार को जयपुर से अजमेर जाते समय नेता प्रतिपक्ष कुछ देर के लिए किशनगढ़ में रुके। उन्होंने किशनगढ़ विधायक डॉ. विकास चौधरी के साथ राजकीय यज्ञ नारायण अस्पताल के ब्लड बैंक में आयोजित रक्तदान शिविर में भाग लिया। जूली ने कहा कि चाहे मदन दिलावर का आदिवासियों का डीएनए टेस्ट करवाने का बयान हो या ज्ञानदेव आहूजा का मंदिर को गंगाजल से शुद्ध करने का कृत्य, इन सबका एक तय एजेंडा है। उन्होंने कहा कि भाजपा जाति और धर्म के नाम पर लोगों को आपस में लड़ाने का खेल खेल रही है।

जूली ने भाजपा की राज्य सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि सरकार बार-बार कह रही है कि वह बिजली महंगी करेगी, पानी महंगा करेगी और पेंशन बंद कर देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सरकार सिर्फ गरीबों के खिलाफ ही कार्य करती है और अगर कुछ करना है तो अमीरों के खिलाफ करो। जूली ने बीकानेर के नूरसर में संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की फोटो पर कालिख पोते जाने की घटना की निंदा करते हुए राज्य सरकार से मामले में तुरंत संज्ञान लेकर दोषियों के खिलाफ सख़्त से सख़्त कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष ने 'एक्स' पर लिखा यह अपमान है, यह अत्याचार है, यह असहनीय है।

जब से वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित हुआ तभी से हिंसा भड़काई जा रही : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों खासतौर पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए रविवार को कहा कि जब से वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित हुआ और कार्रवाई हो रही है तभी से इसके खिलाफ हिंसा भड़काई जा रही है।

रविवार को यहां राज्य की राजधानी लखनऊ में भागीदारी भवन में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान की प्रदेश कार्यशाला की शुरुआत करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''आश्चर्य होता है कि यह वही देश है जिसमें वक्फ के नाम पर लाखों एकड़ जमीन कब्जा ली गयी है। उनके (कब्जा करने वालों के) पास कोई कागज नहीं, कोई राजस्व का रिकॉर्ड नहीं है और जब से (वक्फ) संशोधन विधेयक पारित हुआ और कार्रवाई हो रही है तो इसके लिए हिंसा भड़काई जा रही है।'' योगी ने कहा, ''पश्चिमी बंगाल के मुर्शिदाबाद में तीन हिंदुओं की उनके घरों से खींचकर हत्या कर दी गयी। ये सब कौन हैं, ये वही दलित, वंचित और गरीब हैं जिनको इस जमीन का सर्वाधिक लाभ मिलने वाला है।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए इन्हें (विपक्षी दलों) भय है कि ऐसा हुआ तो इनका वोटबैंक और गुमराह करने की राजनीति हमेशा के लिए खत्म हो जाएंगे।'' पिछले सप्ताह संसद द्वारा पारित वक्फ (संशोधन) अधिनियम मंगलवार से लागू हो गया। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया, ''वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की धारा 1 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार ने आठ अप्रैल 2025 से उक्त अधिनियम के प्रावधान लागू किए हैं।'' लोकसभा और राज्यसभा ने क्रमशः तीन अप्रैल और चार अप्रैल की मध्य रात्रि के बाद वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पांच अप्रैल को इसे अपनी मंजूरी दे दी। वक्फ (संशोधन) विधेयक आने के बाद से ही तमाम मुस्लिम संगठन समेत विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती से एक दिन पहले उनकी याद में शुरू किए गए अभियान की विस्तार से जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''जब तक हम सही तथ्य जनता जनार्दन के सामने नहीं रखेंगे तो ये लोग गुमराह करके अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करते रहेंगे और वे लोग इसी प्रकार गुमराह करके, देश में अव्यवस्था पैदा करके दलितों, वंचितों का शोषण करते रहेंगे।'' उन्होंने कहा, ''वे दलितों, गरीबों और वंचितों को उनके अधिकारों से वंचित करते रहेंगे। इसलिए कार्ययोजना के साथ भाजपा की कार्यशाला यहां आयोजित हो रही है।'' योगी ने कहा, ''बाबा साहेब अंबेडकर की जहां कहीं भी प्रतिमा है, उनके नाम पर पार्क है, वहां आज भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और सरकार के अधिकारीगण स्वच्छता के विशेष कार्यक्रम से जुड़ रहे हैं।''

अपने दलित सांसद के कंधे पर रखकर बंदूक चला रहे हैं सपा अध्यक्ष : राजभर

बलिया (उप्र), 13 अप्रैल (भाषा) समाजवादी पार्टी (सपा) के राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन के मेवाड़ा के राजा रहे राणा सांगा को लेकर दिए गए बयान पर करणी सेना के हंगामे के बीच उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने रविवार को सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर सुमन के 'कंधे पर रखकर' बंदूक चलाने का आरोप लगाया।

राजभर ने बेल्थरा रोड में भाजपा द्वारा आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, सपा बहुत खतरनाक खेल खेल रही है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव दलित सांसद रामजीलाल सुमन के कंधे पर बंदूक रखकर गोली चला रहे हैं। उन्होंने सुमन पर एक योजना के तहत दबाव डालकर प्रायोजित तरीके से जबरदस्ती संसद में बयान दिलाया। सपा एक दलित के बेटे को आगे करके एक योजना के तहत उत्तर प्रदेश के सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने का प्रयास कर रही है। राजभर ने कहा, यह सारा काम सत्ता गंवाने की छटपटाहट में किया जा रहा है। वे सत्ता पाने के लिए कुछ भी करने वाले लोग हैं।

असम में वक्फ कानून विरोधी आंदोलन के प्रदर्शनकारियों ने किया पथराव, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी, 13 अप्रैल (भाषा) असम के कछार जिले में रविवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ आयोजित एक रैली में प्रदर्शनकारियों के पुलिस पर पथराव करने पर पुलिसकर्मियों ने भी लाठीचार्ज किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि हाल ही में पारित कानून का विरोध करने के लिए बिना अनुमति के सिलचर शहर के बेरेंगा इलाके में कई सौ लोग सड़कों पर उतर गए। उन्होंने कहा, ''करीब 300-400 लोग सड़क जाम कर प्रदर्शन कर रहे थे। जब हमने रास्ता खाली कराने की कोशिश की तो उनमें से कुछ ने हम पर पत्थर फेंके। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हमें हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा।''

उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है, लेकिन अभी तक किसी को हिरासत में नहीं लिया गया है और ना ही किसी को गिरफ्तार किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने काले झंडे दिखाए और भाजपा सरकार के खिलाफ नारे लगाए तथा अधिनियम को निरस्त करने की मांग की।

आधा सच बोलने की बीमारी से ग्रस्त हैं अखिलेश यादवः केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, 13 अप्रैल (भाषा) उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर आधा सच बोलने की बीमारी से ग्रस्त होने का आरोप लगाया। मौर्य की यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव के उस बयान के एक दिन बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि इटावा के मतदाताओं ने ही बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक कांशीराम को लोकसभा भेजा था।

मौर्य ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,आधा सच बताने की बीमारी से ग्रस्त हैं सपा बहादुर श्री अखिलेश यादव। उन्होंने कहा कि सच यह है कि 1991 के लोकसभा चुनाव में सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने अगर इटावा में कांशीराम की मदद की थी तो कांशीराम ने भी जसवंतनगर से बसपा का उम्मीदवार न उतार कर मुलायम सिंह यादव को जिताने में मदद की थी।

मौर्य ने इसी पोस्ट में दावा किया लेकिन इससे बड़ा सपा का काला सच यह है कि दो जून, 1995 को सपा के गुंडों ने लखनऊ के स्टेट गेस्टहाउस में दलितों की सबसे बड़ी नेता बहन सुश्री मायावती की आबरू लूटने और उनकी हत्या की कोशिश की थी। उन्होंने कहा लेकिन दलितों के सम्मान में सदा समर्पित भाजपा ने सपाई गुंडों को छठी का दूध याद दिलाकर उसके मंसूबों को विफल कर बहन जी की लाज और जीवन दोनों को बचाया था।

केशव प्रसाद मौर्य ने दावा किया कि ऐसे ही अपने गुंडों की फौज पर अखिलेश आज भी इतराते हैं और सपा पिछड़ों दलितों वंचितों की असल दुश्मन है।

मणिपुर कांग्रेस वक्फ कानून के खिलाफ कोर्ट का रुख करेगी : पूर्व मुख्यमंत्री इबोबी सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल, 13 अप्रैल (भाषा) कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ओकराम इबोबी सिंह ने रविवार को कहा कि पार्टी की मणिपुर इकाई वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर करेगी।

मणिपुर के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके सिंह ने दावा किया कि यह अधिनियम संविधान का घोर उल्लंघन है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''हम इस कानून का पूरी तरह से विरोध करते हैं। भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है, लेकिन (केंद्र की) मौजूदा राजग सरकार मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमला कर रही है। कांग्रेस की राज्य इकाई इस कानून के खिलाफ लड़ने की तैयारी कर रही है। एक टीम दिल्ली के लिए रवाना होगी और बुधवार तक, इस कानून को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में याचिका दायर करेगी।'' सिंह ने कहा, ''वक्फ (संशोधन) अधिनियम संविधान का घोर उल्लंघन है और इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा।''

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने पर भी सवाल उठाया और आश्चर्य जताया कि विधानसभा में पर्याप्त संख्या बल होने के बावजूद भाजपा सरकार क्यों नहीं बना रही है। उन्होंने कहा, ''हम मणिपुर में राष्ट्रपति शासन के पक्ष में नहीं हैं। लोकतांत्रिक सरकार का प्रतिनिधित्व विधायक करते हैं। राष्ट्रपति शासन लगाने से पता चलता है कि वे राज्य में शासन नहीं कर सकते और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सक्षम नहीं हैं। अब भी उनके (भाजपा के) पास सरकार बनाने के लिए पर्याप्त संख्या है। लेकिन हमें नहीं पता कि इसकी (सरकार बनाने की) अनुमति क्यों नहीं दी गई।'' उन्होंने कुकी समुदाय से चुराचांदपुर जिले में थांगजिंग पहाड़ियों पर मेइती लोगों की वार्षिक तीर्थयात्रा के प्रति अपने विरोध पर पुनर्विचार करने का भी आग्रह किया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''चाहे कुकी हों, नागा हों, मुस्लिम हों या मेइती हों, हम मणिपुर में अनादि काल से एक साथ रह रहे हैं। मैं कुकी समुदाय से अपील करना चाहूंगा कि वे थांगजिंग पहाड़ियों की वार्षिक तीर्थयात्रा के विरोध पर पुनर्विचार करें। हमें एक साथ रहना ही होगा। हम सभी मणिपुरी हैं। हम अवैध प्रवासियों के पक्ष में नहीं हैं। लेकिन स्थानीय लोगों को एक साथ रहना होगा।'' उन्होंने यह अपील कम से कम छह कुकी संगठनों द्वारा मेइती समुदाय की थांगजिंग पहाड़ियों की वार्षिक तीर्थयात्रा का विरोध करने के बीच की।

ओडिशा के भुवनेश्वर में 77वां राजधानी स्थापना दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर, 13 अप्रैल (भाषा) ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी ने राजधानी शहर के रूप में भुवनेश्वर के 77वें स्थापना दिवस के मौके पर ध्वजारोहण किया और विशेष परेड की सलामी ली।

ओडिशा विधानसभा के निकट आधारशिला पट्टिका पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ समारोह की शुरुआत हुई। इसके बाद अध्यक्ष ने ध्वजारोहण किया।

राजधानी स्थापना दिवस समारोह समिति के उपाध्यक्ष पी मोहंती ने कहा, ''भीषण गर्मी को देखते हुए हमने जानबूझकर स्कूली छात्रों को परेड और समारोह से दूर रखा है।''

पाढ़ी ने भुवनेश्वर की खुशहाली की कामना करते हुए कहा, ''ओडिशा की नई राजधानी के रूप में भुवनेश्वर की स्थापना 13 अप्रैल, 1948 को की गई थी तब इसकी आबादी सिर्फ 16,000 थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने राजधानी की आधारशिला रखी थी। आज भुवनेश्वर में 13 लाख से अधिक लोग रहते हैं।''इससे पहले, कटक ओडिशा की राजधानी थी।

ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने लोगों को इस मौके पर बधाई दी और शहर के सर्वांगीण विकास की कामना की।

मुर्शिदाबाद हिंसा

प्रभावित इलाकों मे दिख रहा तबाही का मंजर, सुरक्षा बल सतर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता, 13 अप्रैल (भाषा) पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा और बर्बादी का मंजर रविवार को भी सड़कों पर जले हुए वाहनों, लूटे गये शॉपिंग मॉल और फार्मेसी में तोड़फोड़ के रूप में देखने को मिला।

मुर्शिदाबाद में रविवार को सड़कें सुनसान रहीं, दुकानें बंद रहीं और लोग घरों के अंदर ही रहे। पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र बल धूलिया, शमशेरगंज और सुती क्षेत्रों के संवेदनशील इलाकों में गश्त कर रहे हैं, जहां पिछले दो दिनों से हिंसा जारी है। मीडिया की टीम जब धुलियान में गई तब कुछ स्थानीय लोगों ने उन्हें एक क्षतिग्रस्त इमारत के भीतर बम के छर्रे तथा फर्नीचर की राख दिखाई,जिन्हें उपद्रवियों ने प्रांगण में जमा कर आग लगा दी थी। एक व्यक्ति ने कहा, ''हम अचंभित रह गए, क्योंकि अचानक सैकड़ों लोगों का हथियारबंद गिरोह सामने आ गया। वे खून के प्यासे थे और चिल्ला रहे थे कि हमारे समुदाय के किसी भी सदस्य को इस क्षेत्र में रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी, क्योंकि हम अधिनियम के माध्यम से वक्फ भूमि को छीनने की साजिश में सहयोग कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमने जब उनसे गुहार लगाई, तो उन्होंने हमें कोई नुकसान नहीं पहुंचाया, लेकिन कई बम धमाके किये और मौके से भागने से पहले संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। पुलिस काफी देर बाद पहुंची।'' सुती में एक दवा की दुकान का मालिक गश्त कर रहे जवानों से आश्वासन मिलने के बाद दुकान में हुए नुकसान का आकलन कर रहा था। उसने बताया,''मैं यहां 50 साल से रह रहा हूं, लेकिन ऐसा तांडव कभी नहीं देखा। एक उन्मादी भीड़ मेरी दुकान की ओर मुड़ी और इससे पहले कि मैं और मेरे कर्मचारी कुछ कर पाते, वे परिसर में घुस गए, हमारी पिटाई की और दुकान में लूटपाट शुरू कर दी। जब उत्पात जारी रहा, तो हम मौके से भाग गए।'' विनाश का ऐसा ही मंजर सुती, शमशेरगंज और धुलियान में भी देखने को मिला और ऐसा लग रहा था जैसे युद्धक्षेत्र हो, क्योंकि भारी हथियारों से लैस केंद्रीय बलों ने पुलिस और आरएएफ कर्मियों के साथ मिल राष्ट्रीय राजमार्ग और गलियों में मार्च किया।

मुर्शिदाबाद हिंसा : तृणमूल का फर्जी तस्वीरें प्रसारित करने का आरोप, भाजपा ने धार्मिक उत्पीड़न बताया

कोलकाता, 13 अप्रैल (भाषा) पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने रविवार को दावा किया कि सोशल मीडिया पर हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले के लोगों की कथित तस्वीरें और वीडियो फर्जी हैं और उसने इसके पीछे साजिश होने का आरोप लगाया। वहीं, विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि लोग इसलिए भाग रहे हैं क्योंकि राज्य में ''धार्मिक उत्पीड़न वास्तविकता है।'' मुर्शिदाबाद जिले के सुती और शमशेरगंज ब्लॉक में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के हिंसक हो जाने के बाद कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, कई अन्य घायल हो गए और कई दुकानों में आग लगा दी गई। शुक्रवार को हिंसा शुरू होने के बाद से सैकड़ों लोग उन इलाकों से भाग रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य सागरिका घोष और प्रवक्ता कुणाल घोष ने आरोप लगाया कि भाजपा इंटरनेट पर हिंसा और आगजनी की फर्जी तस्वीरें और वीडियो साझा कर रही है और उन्हें पश्चिम बंगाल में घटित बता रही है। सागरिका ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भाजपा की राज्य इकाई द्वारा जारी एक पोस्ट को साझा किया, जिसमें ''पश्चिम बंगाल'' में नौ हिंदू त्योहारों के दौरान हिंसा दर्शाती तस्वीरें थीं। उन्होंने दावा किया कि राज्य में ऐसी कोई भी घटना नहीं हुई एवं उक्त विशिष्ट स्थानों की सूची दी।

बंगालः टीएमसी विधायक ने मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा की निंदा की, कहा 'सभी को शांति से रहने का अधिकार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता, 13 अप्रैल (भाषा) पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक हुमायूं कबीर ने रविवार को मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन की निंदा की और कहा कि ये हमले इस्लाम की भावना के खिलाफ हैं। मुर्शिदाबाद में हुए हिंसक प्रदर्शनों में तीन लोगों की मौत हो गई थी।

मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले के भरतपुर से विधायक कबीर ने हिंसा में शामिल अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर देते हुए यह भी कहा कि प्रत्येक नागरिक को, फिर चाहे उसकी धार्मिक मान्यताएं कुछ भी हों, बिना किसी भय के शांतिपूर्वक रहने का अधिकार है। मुर्शिदाबाद जिले के सुती और शमशेरगंज ब्लॉक में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन में एक व्यक्ति और उसके बेटे सहित कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। शुक्रवार को हिंसा शुरू होने के बाद से सैकड़ों लोग इन इलाकों से पलायन करने लगे हैं। कबीर ने कहा, यह हमारे देश में स्वीकार्य नहीं है।

त्रिपुरा में लड़की से सामूहिक बलात्कार, एक आरोपी गिरफ्तार

अगरतला, 13 अप्रैल (भाषा) उत्तरी त्रिपुरा के कदमतला क्षेत्र में खाली पड़े एक मदरसे के छात्रावास के अंदर 14 वर्षीय एक लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार रात को उस समय हुई जब धर्मनगर उपखंड के कुर्ती गांव की निवासी लड़की उसी इलाके में एक रिश्तेदार के विवाह समारोह में शामिल होने जा रही थी। थाने के प्रभारी जयंत देबनाथ ने बताया, नाबालिग समेत दो लोगों ने उसका अपहरण कर लिया और उसे पास के एक खाली पड़े मदरसा के छात्रावास में ले गए, जहां उन्होंने बारी-बारी से बलात्कार किया। बाद में वे उसे वहीं छोड़कर भाग गए। लड़की जब घर लौटी और माता-पिता को अपनी आपबीती बताई तो गुस्साए गांववालों ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी और उसी रात 19 वर्षीय एक आरोपी को उसके घर से पकड़ लिया।

सॉल्ट और कोहली का अर्द्धशतक, आरसीबी ने राजस्थान को रौंदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, 13 अप्रैल (भाषा) फिल सॉल्ट और विराट कोहली के अर्धशतक से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां राजस्थान रॉयल्स को नौ विकेट से रौंद दिया। सॉल्ट (65 रन, 33 गेंद, छह छक्के, पांच चौके) और कोहली (नाबाद 62, 45 गेंद, चार चौके, दो छक्के) के बीच पहले विकेट की 92 रन की तेजतर्रार साझेदारी से आरसीबी ने 174 रन के लक्ष्य को 17.3 ओवर में एक विकेट पर 175 रन बनाकर हासिल कर लिया।

कोहली ने देवदत्त पडिक्कल (नाबाद 40, 28 रन, पांच चौके, एक छक्का) के साथ दूसरे विकेट के लिए 83 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। राजस्थान रॉयल्स ने इससे पहले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (75 रन, 47 गेंद, 10 चौके, दो छक्के) के अर्धशतक से चार विकेट पर 173 रन बनाए। जायसवाल ने रियान पराग (30) के साथ दूसरे विकेट के लिए 56 रन की साझेदारी भी की। ध्रुव जुरेल ने अंत में 23 गेंद में दो चौकों और दो छक्कों से नाबाद 35 रन की पारी खेलकर टीम को चुनौतपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे आरसीबी को सॉल्ट और कोहली ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावर प्ले में 65 रन जोड़े। सॉल्ट ने जोफ्रा आर्चर पर चौके और छक्के के साथ अपनी पारी की शुरुआत की जबकि कोहली ने तुषार देशपांडे पर चौका जड़ा।

सॉल्ट ने आर्चर के दूसरे ओवर में चौका और छक्का मारा जबकि कोहली सात रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब

संदीप शर्मा की गेंद पर पराग उनका कैच लपकने में नाकाम रहे।

सॉल्ट ने महेश तीक्षणा और संदीप शर्मा पर भी छक्के मारे। संदीप की गेंद पर हालांकि सॉल्ट भाग्यशाली रहे जब कवर्स में जायसवाल ने उनका कैच टपका दिया।

सॉल्ट ने वानिंदु हसरंगा पर चौके के साथ 28 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और फिर इस स्पिनर पर छक्का भी जड़ा।

सॉल्ट ने कुमार कार्तिकेय पर भी छक्का मारा लेकिन अगली गेंद को डीप मिडविकेट पर जायसवाल के हाथों में खेल गए।

आरसीबी के रनों का शतक 10वें ओवर में पूरा हुआ। कोहली ने कार्तिकेय और हसरंगा पर छक्के के साथ 39 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। पडिक्कल ने देशपांडे पर चौके और छक्के के बाद संदीप पर चौके के साथ टीम को जीत दिलाई।

इससे पहले आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया जिसके बाद जायसवाल और संजू सैमसन (15) ने पावर प्ले में 45 रन जोड़कर टीम को सतर्क शुरुआत दिलाई। जायसवाल ने भुवनेश्वर कुमार पर चौके से खाता खोला और फिर यश दयाल की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा।

हमारा 173 रन का स्कोर अच्छा था, लेकिन आरसीबी का इरादा बेहतर था : सैमसन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, 13 अप्रैल (भाषा) राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने रविवार को यहां हार के बाद स्वीकार किया कि सवाई मानसिंह स्टेडियम की पिच पर उनकी टीम के 173 रन का स्कोर बचाव किया जा सकता था लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के बल्लेबाजों ने शानदार जज्बे की बदौलत इसे आसानी से हासिल कर लिया।

फिल साल्ट की 33 गेंद में 65 रन की विस्फोटक पारी ने नींव रखी और विराट कोहली के 100वें टी20 अर्धशतक से आरसीबी ने बिना किसी परेशानी के बड़े लक्ष्य का पीछा किया। टीम की लगातार दूसरी हार के बाद सैमसन ने कहा, ''धीमे विकेट पर टॉस हारने के बाद 170 रन के आसपास का स्कोर वाकई अच्छा स्कोर था। पावरप्ले में बल्लेबाजी करना मुश्किल था।'' हालांकि आरसीबी ने इसी पिच पर शानदार प्रदर्शन किया और 15 गेंद रहते हुए मैच जीतने में सफल रही। सैमसन ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स ने पावरप्ले में ही मैच गंवा दिया था। उन्होंने कहा, ''मुझे पता था कि साल्ट और कोहली हमें कड़ी टक्कर देंगे। उन्होंने पावरप्ले में ही मैच जीत लिया।'' उन्होंने अपने क्षेत्ररक्षकों द्वारा छोड़े गए कई कैच के लिए उन्हें दोषी नहीं ठहराया।

सुविचार

सफलता हमारा परिचय दुनिया को करवाती है, और असफलता हमें दुनिया का परिचय करवाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दोहरी नीति क्यों?

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के बाद 26/11 हमलों के पीड़ितों को न्याय दिलाने की बात कहते हुए जिस अंदाज़ में ख़ुशी जताई है, उसके दूसरे पहलू को देखना जरूरी है। तहव्वुर एनआईए की हिरासत में है। उस पर मुकदमा चलेगा और कई सबूतों पर बहस होने के बाद फैसला आएगा। इसमें काफी समय लग सकता है, क्योंकि फैसले से असंतुष्ट होने पर उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय जाने का भी विकल्प रहेगा। तब तक अमेरिकी विदेश मंत्री आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए कुछ ठोस कदम उठा सकते हैं। अगर आतंकवाद का खात्मा करना है तो उसकी जड़ को उखाड़ फेंकना होगा। तहव्वुर राणा, हाफिज सईद, जकीउर्रहमान लखवी, मसूद अजहर जैसे खूंखार आतंकवादी पाकिस्तान के उत्पाद हैं। अमेरिका को मानवता की इतनी ज्यादा चिंता है तो उसे पाकिस्तान के खिलाफ आर्थिक एवं सैन्य प्रतिबंधों की घोषणा करनी चाहिए। यह नहीं हो सकता कि एक तरफ अमेरिकी विदेश मंत्री आतंकवाद की निंदा करें और दूसरी तरफ उनका देश डॉलर की पेटियां पाकिस्तान भेजता रहे! क्या ऐसे आतंकवाद खत्म होगा? इस बात के पर्याप्त सबूत मौजूद हैं कि पाकिस्तान ने अमेरिका से मिली आर्थिक एवं सैन्य सहायता का दुरुपयोग किया और आतंकवाद की आग भड़काई। उसने अफगानिस्तान को तबाह कर दिया। भारत उसका दृढ़ता से मुकाबला कर रहा है और सैकड़ों आतंकवादियों का खात्मा भी किया है। जब तक अमेरिका इस्लामाबाद को धन और हथियार देता रहेगा, आतंकवाद के खिलाफ उसके बयान महत्त्वहीन रहेंगे।

अमेरिका को यह दोहरी नीति छोड़नी होगी। उसके द्वारा सार्वजनिक किए गए विभिन्न आंकड़े बताते हैं कि वह अब तक पाकिस्तान को अरबों डॉलर की सहायता दे चुका है। उसने साल 2002 से 2011 के बीच 18 अरब डॉलर की सहायता दी थी। यह वो दौर था, जब पाक में मुशर्रफ की तानाशाही चली और भारत में कई आतंकवादी हमले हुए थे। 26/11 हमले भी उसी दौरान किए गए थे। कोएलिशन सपोर्ट फंड के तहत दी गई उस सहायता का उद्देश्य पाकिस्तान को अफगानिस्तान में 'आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई' में सहयोग करना था। ये शब्द कितने हास्यास्पद लगते हैं! जिस देश का राजनीतिक एवं सैन्य नेतृत्व आतंकवाद का खुलकर समर्थन करता है, जहां आतंकवादी शिविर चल रहे हों, उसे अमेरिका अरबों डॉलर की सहायता देता है, ताकि आतंकवाद से मुकाबला किया जाए! यह तो बंदर के हाथ में उस्तरा थमाने जैसा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में पाकिस्तान पर 'झूठ और धोखे' का आरोप लगाते हुए सहायता में कटौती जरूर की, लेकिन पूरी तरह बंद नहीं की थी। उनके बाद जो बाइडन ने खूब दरियादिली दिखाई। अमेरिका ने साल 2022 में एफ-16 लड़ाकू विमानों के कथित रखरखाव के लिए 450 मिलियन डॉलर की सहायता मंजूर की थी। इसके अलावा आतंकवाद के खिलाफ सहयोग के नाम पर सहायता जारी रखी। उसने साल 2022 में पाकिस्तान में आई बाढ़ के बाद 97 मिलियन डॉलर की सहायता दी थी। कई रिपोर्टों में बताया गया कि अमेरिका ने साल 2024 में पाकिस्तान के प्रति प्रेम का भरपूर प्रदर्शन करते हुए लगभग 101 मिलियन डॉलर की सहायता दी थी। वजह थी- लोकतंत्र की मजबूती और आतंकवाद का विरोध! उस सहायता से पाकिस्तान में न तो लोकतंत्र मजबूत हुआ और न ही उसकी आतंकी गतिविधियों पर रोक लगी। अलबत्ता एलओसी के रास्ते आतंकवादी घुसपैठ की कोशिशें करते रहे और भारतीय सुरक्षा बलों के हाथों ढेर होते रहे। अब अमेरिकी विदेश मंत्री (26/11 हमलों में मारे गए) अपने छह नागरिकों समेत 166 लोगों को न्याय दिलाने के लिए भारत के साथ मिलकर लंबे समय से किए जा रहे 'प्रयास' गिना रहे हैं तो इसमें विरोधाभास झलकता है। अगर अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करना चाहता है तो पाकिस्तान को मिलने वाली सहायता पर तुरंत ताला लगाए।

ट्वीटर टॉक

भगवान श्री महावीर जी ने अपने विचारों से समाज को मानवता, सत्य, अहिंसा और भाईचारे का मार्ग दिखाया जो कि हमारे लिए अनुकरणीय है। जैन समाज के द्वारा समाज के उत्थान के लिए समय-समय पर की जा रही सामाजिक सेवा गतिविधियां प्रशंसनीय है।

-दीया कुमारी

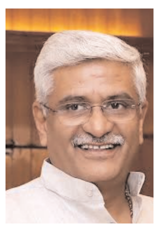

आज लूणी के फिंच गांव के डूंगर तालाब किनारे सामुदायिक संवाद कार्यक्रम में देवतुल्य स्थानीयजनों से विकास और विशेषकर जल संरक्षण पर विचार साझा किए। लूणी एवं धवा क्षेत्र के तालाबों में जल संरक्षण व संवर्धन हेतु उपयोगी निर्माण हुए हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

नई उमंग और नई फसल के स्वागत के प्रतीक पर्व बैसाखी की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। अन्नदाता किसानों के पुरुषार्थ और उनके अथक परिश्रम का प्रतीक यह पर्व सभी के जीवन में समृद्धि, उल्लास और नवीन ऊर्जा का संचार करे।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

धर्म का मर्म

एक गौतम बुद्ध के एक शिष्य थे भिक्षुक विनायक। शास्त्र आदि पढ़कर वे अहंकार से भर गए थे। कहीं भी लोगों को एकत्र कर ज़ोर-ज़ोर से अपना ज्ञान उड़ेलते और नसीहतें देने लगते। महात्मा बुद्ध एक दिन उन्हें भ्रमण के लिए ले गए। एक स्थान पर उन्होंने गायों के एक झुंड की ओर इशारा करते हुए कहा, 'शिष्य, ज़रा गिनकर बताओ कि किस रंग की कितनी गायें हैं।' विनायक ने ध्यानपूर्वक गिनकर ठीक-ठीक संख्या बता दी। बुद्ध ने मुस्कराते हुए पुनः पूछा, 'तो क्या अब ये सभी गायें तुम्हारी हो गईं?' भिक्षुक विनायक चकित होकर बोले, 'मैं समझा नहीं तात, सिर्फ़ गिन लेने भर से ये गायें मेरी कैसे हो सकती हैं?' महात्मा बुद्ध ने गंभीर स्वर में कहा, 'हमारे कर्म भी इन गायों की तरह हैं और धर्म उनका रंग है। जिस प्रकार केवल गिन लेने से ये गायें तुम्हारी नहीं हुईं, उसी प्रकार केवल भाषण देने से सत्कर्म और धर्म के स्वामी नहीं बना जा सकता। धर्म तो तब सार्थक होता है जब हम उसमें संलग्न होकर जीव-प्राणी की सेवा व साधना करें। प्रेम जगाओ, लोगों को केवल सत्कर्म का पाठ मत पढ़ाओ, बल्कि अपने कर्तव्यों का पालन कर उन्हें व्यवहार में लाओ। तभी तुम्हें जीवन के सही अर्थ का बोध होगा।'

सामयिक

राष्ट्र के सजग पथ प्रदर्शक थे डा. अम्बेडकर

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर हमारे देश के संविधान के निर्माता ही नहीं अपितु दुनिया के सबसे बड़े राजनेताओं में से एक थे। उनकी दूर दृष्टि, उनके ज्ञान, लोगों को समझने का उनका नजरिया, जाति प्रथा के विरुद्ध उनके तेवर को देखते हुए ही उन्हें भारतीय संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया था। ताकि भारत का संविधान दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधान में से एक हो। आज हम देखते हैं कि बाबा साहेब अम्बेडकर के नेतृत्व में रचित भारत का संविधान हमारे लोकतंत्र का एक सजग प्रहरी बनकर खड़ा हुआ है। जहां कहीं भी सरकार द्वारा नियम विरुद्ध कुछ किया जाता है तो संविधान उन्हें उनके कर्तव्य पथ की याद दिलाकर सही राह पर चलने की प्रेरणा देता है। भारत का संविधान आज दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधान में से एक माना जाता है जिसका श्रेय बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर को जाता है।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक है क्योंकि इसने भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था को आकार देने में मदद की। पुरानी और पुरातन मान्यताओं से प्रगति लाकर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाया। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के मऊ में एक गरीब परिवार मे हुआ था। वो भीमराव रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं सन्तान थे। उनका परिवार मराठी था जो महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे स्थित अम्बावडे नगर से सम्बंधित था। उनके बचपन का नाम रामजी सकपाल था। वे हिंदू महार जाति के थे जो अछूत कहे जाते थे। उनकी जाति के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। एक अस्पृश्य परिवार में जन्म लेने के कारण उनको बचपन कष्टों में बिताना पड़ा था।

देश में हर वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब डा.भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती मनायी जाती है। बाबासाहेब की जयन्ती पर लोगों को संकल्प लेना चाहिये कि हम सब सच्चे मन से उनके बताये मार्ग का अनुशरण करेगें। उनके बनाये संविधान का पालन करेगें। ऐसा कोई काम नहीं करेगें जिससे देश के किसी कानून का उल्लघंन होता हो। चूंकि बाबासाहेब हमेशा जाति प्रथा, ऊंच नीच की बातों के विरोधी थे। इसलिये उनकी जयन्ती पर उनको श्रधांजली देने का सबसे अच्छा तरीका है उनके सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाये।

बाबा साहेब अम्बेडकर कुल 64 विषयों में मास्टर थे। वे हिन्दी, पाली, संस्कृत, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, मराठी, पर्शियन और गुजराती जैसे 9 भाषाओं के जानकार थे। इसके अलावा उन्होंने लगभग 21 साल तक विश्व के सभी धर्मों की तुलनात्मक रूप से पढाई की थी। डॉक्टर अम्बेडकर अकेले ऐसे भारतीय है जिनकी प्रतिमा लंदन संग्राहलय में कार्ल मार्क्स के साथ लगाई गई है। इतना ही नहीं उन्हें देश विदेश में कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिले है। भीमराव आंबेडकर के पास कुल 32 डिग्री थी। डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के निजी पुस्तकालय राजगृह में 50 हजार से भी अधिक किताबें थी। यह विश्व का सबसे बडा निजी पुस्तकालय था।

बाबा साहब का मानना था कि वर्गहीन समाज गढने से पहले समाज को जाति विहीन करना होगा। आज महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए हमारे पास जो भी संवैधानिक सुरक्षाकवच, कानूनी प्रावधान और संस्थागत उपाय मौजूद हैं। इसका श्रेय किसी एक मनुष्य को जाता है वे हैं डॉ. भीमराव अम्बेडकर। भारतीय संदर्भ में जब भी समाज में व्याप्त जाति, वर्ग और लिंग के स्तर पर व्याप्त असमानताओं और उनमें सुधार के मुद्दों पर चिंतन हो तो डॉ. आंबेडकर के विचारों और दृष्टिकोण को शामिल किए बिना बात पूरी नहीं हो सकती।

भारतीय संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव अम्बेडकर का सपना था कि भारत जाति-मुक्त हो, औद्योगिक राष्ट्र बने, सदैव लोकतांत्रिक बना रहे। लोग अम्बेडकर को एक दलित नेता के रूप में जानते है। जबकि उन्होने बचपन से ही जाति प्रथा का खुलकर विरोध किया था। उन्होने जातिवाद से मुक्त आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ भारत का सपना देखा था। मगर देश की गन्दी राजनीति ने उन्हे सर्वसमाज के नेता के बजाय दलित समाज का नेता के रूप में स्थापित कर दिया। डा.अम्बेडकर का एक और सपना भी था कि दलित धनवान बनें। वे हमेशा नौकरी मांगने वाले ही न बने रहें अपितु नौकरी देने वाले बनें।

भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो अम्बेडकर संभवतः पहले अध्येता रहे हैं। जिन्होंने जातीय संरचना में महिलाओं की स्थिति को समझने की कोशिश की थी। उनके संपूर्ण विचार मंथन के दृष्टिकोण में सबसे महत्वपूर्ण मंथन का हिस्सा महिला सशक्तिकरण था। अम्बेडकर यह बात समझते थे कि स्त्रियों की स्थिति सिर्फ ऊपर से उपदेश देकर नहीं सुधरने वाली, उसके लिए कानूनी व्यवस्था करनी होगी। हिंदू कोड बिल महिला सशक्तिकरण का असली आविष्कार है। इसी कारण अंबेडकर हिंदू कोड बिल लेकर आये थे। हिंदू कोड बिल भारतीय महिलाओं के लिए सभी मर्ज की दवा थी। पर अफसोस यह बिल संसद में पारित नहीं हो पाया और इसी कारण अम्बेडकर ने कानून मंत्री पद का इस्तीफा दे दिया था।

डा.भीमराव अम्बेडकर का मानना था कि भारतीय महिलाओं के पिछड़ेपन की मूल वजह भेदभावपूर्ण समाज व्यवस्था और शिक्षा का अभाव है। शिक्षा में समानता के संदर्भ में अंबेडकर के विचार स्पष्ट थे। उनका मानना था कि यदि हम लडकों के साथ-साथ लड़कियों की शिक्षा पर ध्यान देने लग जाए तो प्रगति कर सकते है। शिक्षा पर किसी एक ही वर्ग का अधिकार नहीं है। समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा का समान अधिकार है। नारी शिक्षा पुरुष शिक्षा से भी अधिक महत्वपूर्ण है। चूंकि पूरी पारिवारिक व्यवस्था की धुरी नारी है उसे नकारा नहीं जा सकता है।

जब 15 अगस्त 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार बनी तो उसमें डा. अम्बेडकर को देश का पहले कानून मंत्री नियुक्त किया गया। 29 अगस्त 1947 को डा.अम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष नियुक्त किया गया। 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने उनके नेतृत्व में बने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद बोलते हुए डा. अम्बेडकर ने कहा मैं महसूस करता हूं कि भारत का संविधान साध्य है, लचीला है पर साथ ही यह इतना मजबूत भी है कि देश को शांति और युद्ध दोनों समय जोड़ कर रखने में सक्षम होगा। मैं कह सकता हूं कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नही होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य ही गलत था। अम्बेडकर ने 1952 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे लोक सभा का चुनाव लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 मे उन्हें राज्य सभा के लिए मनोनित किया गया। अपनी मृत्यु तक वो उच्च सदन के सदस्य रहे।

डा. अम्बेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अपने लाखों समर्थकों के साथ एक सार्वजनिक समारोह में एक बौद्ध भिक्षु से बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। राजनीतिक मुद्दों से परेशान अम्बेडकर का स्वास्थ्य बिगड़ता चला गया। 6 दिसम्बर 1956 को अम्बेडकर की नींद में ही दिल्ली स्थित उनके घर मे मृत्यु हो गई। 7 दिसम्बर को बम्बई में चौपाटी समुद्र तट पर बौद्ध शैली मे उनका अंतिम संस्कार किया गया जिसमें उनके हजारों समर्थकों, कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों ने भाग लिया। 1990 में बाबासाहेब डा. अम्बेडकर को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। सरकारों की उपेक्षा के चलते बाबा साहेब को भारत रत्न सम्मान बहुत देर से प्रदान किया गया। जिसके वे सबसें पहले हकदार थे।

अम्बेडकर के दिल्ली स्थित 26 अलीपुर रोड के उस घर में एक स्मारक स्थापित किया गया है जहां वो सांसद के रूप में रहते थे। देश भर में अम्बेडकर जयन्ती पर सार्वजनिक अवकाश रखा जाता है। अनेको सार्वजनिक संस्थानो का नाम उनके सम्मान में उनके नाम पर रखा गया है। अम्बेडकर का एक बड़ा चित्र भारतीय संसद भवन में लगाया गया है। बाबा साहब ने शिक्षित बनों, संगठित रहो तथा संघर्ष करो का नारा दिया था। शिक्षित बनने का अर्थ है कि हमारे ज्ञान के द्वार खुलते हैं और संगठित रहो का मतलब शक्ति प्राप्त करना हैं।

बोध कथा

संवेदनशीलता और सही दिशा

एक समय की बात है, एक गांव में अर्जुन नामक एक युवक रहता था। वह बड़ा ही समझदार और परिश्रमी था, लेकिन उसके जीवन में कुछ ऐसी चीजें थीं जो हमेशा उसकी हार का कारण बनती थीं। अर्जुन का सपना था कि वह अमीर बनें, लेकिन हमेशा कुछ ना कुछ कामयाबी की राह में रुकावटें आती रहीं। एक दिन, अर्जुन अपने दोस्त सुरेश के साथ गांव के पंचायत भवन में गया। वहां उन्होंने सुना कि एक महान योगी गांव के पास आ रहे हैं और वह सभी जीवों के कर्मों को जान सकते हैं। अर्जुन ने दोस्त सुरेश के साथ तय किया कि वे इस योगी के पास जाकर अपने कर्मों के बारे में जानने का प्रयास करेंगे। योगी के पास पहुँचकर, अर्जुन और सुरेश ने उनकी आज्ञाओं का पालन किया और उनके सामने बैठे। योगी ने दोनों के कर्मों को जानने का प्रयास किया और बताया कि उनके कर्मों के बल पर ही उनकी समस्याओं का समाधान हो सकता है। अर्जुन ने सबसे पहले योगी को अपने कई सारे परिश्रमों के बारे में बताया। उसने कहा कि वह हमेशा परिश्रम करता है, लेकिन फिर भी उसका सपना पूरा नहीं हो पाता। योगी ने उसके कर्मों को देखकर बताया कि उसने तो परिश्रम किया, लेकिन उसके कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा नहीं दी। उसने कहा कि अगर वह अपने कर्मों को सही दिशा में ले जाता तो उसका सपना पूरा हो सकता था। अर्जुन ने इसे सबसे गहराई से समझने की कोशिश की, और योगी के संदेश को समझकर उसने अपने कर्मों में सुधार करने का निर्णय लिया। उसने योगी से सीखा कि कर्मों को न केवल बिना उम्मीद के किया जाना चाहिए, बल्कि उन्हें सही दिशा में करने की भी आवश्यकता होती है। अर्जुन ने योगी की सीखों का पालन किया और अपने कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा देने लगा।

उसके कर्मों में सुधार होता गया और वह अपने सपने की ओर बढ़ता गया। कुछ महीनो बाद अर्जुन का सपना पूरा हो गया और वह अमीर बन गया। वह समझ गया कि कर्मों को सही दिशा में करने से ही सफलता मिलती है। आत्मा की शक्ति है मन संवेदनशीलता और सही दिशा।

नजरिया

कहर बनकर टूट रही है आकाशीय बिजली

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

जलवायु परिवर्तन से जनजीवन बेहताशा प्रभावित हुआ है वहीं कुदरती आपदाएं बढ़ गई हैं। इन आपदाओं में सबसे ज्यादा मौतें बिजली गिरने से हो रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार आकाशीय बिजली गिरने से सबसे ज़्यादा नुकसान उन लोगों को होता है जो आंधी-तूफ़ान के दौरान बाहर खुले में रहते हैं और इसका सबसे ज़्यादा नुकसान किसानों को होता है जिनकी फसल तो चौपट होती ही है साथ ही खुले खेतों में काम करने के कारण उनके बिजली गिरने की आशंका सबसे ज़्यादा होती है। देश के अनेक राज्य इस समय मौसम में बदलाव के कारण आंधी, तूफ़ान बारिश, और आकाशीय बिजली गिरने की आपदा का शिकार हो रहे है। विशेषकर आकाशीय बिजली कहर बनकर टूट रही है। बिजली गिरने से लोगों की मौत की खबरें सामने आ रही हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार सहित कई प्रदेशों में सौ से अधिक लोगों की मौतें होने के समाचार मिले है वहीं बहुत से लोग घायल हो गए। पशुओं के मरने, पेड़ों के गिरने और सम्पति के नुक्सान की जानकारी भी लगातार मिल रही है।

आकाशीय बिजली/तड़ित भारत में चिंता का विषय रही है, जिससे प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में मौतें होती हैं। आकाशीय बिजली एक शक्तिशाली करंट है। इसके गिरने के समय लोगों को खुद को बचाने का क्षण भर का समय भी नहीं मिल पाता। मौसम विभाग के अनुसार, बिजली का गिरना या आघात एक बड़ा विद्युतीय प्रवाह है जो तूफान के दौरान हवा की गति के बढ़ने और कम होने के कारण उत्पन्न होता है। इस दौरान, पृथ्वी की बाहरी परत पर सकारात्मक चार्ज होता है क्योंकि विपरीत चार्ज आकर्षित करता है, आंधी के बादलों में मौजूद नकारात्मक चार्ज पृथ्वी की बाहरी परत पर मौजूद सकारात्मक चार्ज से जुड़ना चाहता है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आकाशीय बिजली हर सेकंड में 40 बार और एक दिन में लगभग 30 लाख बार गिरती है। हालांकि हर बार यह ज़मीन से नहीं टकराती। छत्तीसगढ़ सरकार की वेबसाइट के अनुसार, आकाशीय बिजली में 10 करोड़ वोल्ट के साथ 10,000 एम्पियर का करंट होता है, जबकि णड की वेबसाइट ुशरींहशी.र्सीं के अनुसार, आकाशीय बिजली में करीब 30 करोड़ वोल्ट और 30,000 एम्पियर की ताकत होती है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक बारिश के साथ तेज चमकती रोशनी और उसके बाद कड़कड़ाती आवाज सुनाई देती है। आसमान में चमकी यह बिजली तेजी से पृथ्वी पर गिर कर इंसानों की मौत का कारण भी बनती है। यह भी बताया जाता है तेज़ गर्मी और नमी के मिलन से बिजली वाले विशेष तरह के बादल गरज़ने के साथ तूफान का रूप ले लेते हैं। इस प्रक्रिया को थंडर स्टॉर्म कहा जाता हैं। थंडर स्टॉर्म मूल रूप से एक उग्र मौसम की स्थिति है, जो बिजली के साथ आती है और एक प्रकार की तेज ध्वनि भी होती है जिसको गड़गड़ाहट के रूप में जाना जाता है। थंडरस्टॉर्म के दौरान, उत्पन्न ध्वनि या गड़गड़ाहट सुनने से पहले हम बिजली को देखते हैं क्योंकि प्रकाश ध्वनि की तुलना में तेजी से गति करता है। बादल के अंदर गर्म और नम हवा ऊपर की ओर बढ़ती है और ठंडा होकर क्यूम्यलोनिम्बस बादल बनाती है जो आंधी या थंडरस्टॉर्म का कारण बनता है।

आठ-दस किलोमीटर ऊंचे ऐसे बादलों के लोअर में निगेटिव और अपर में पॉजिटिव चार्ज ज्यादा होता है। दोनों के बीच डिफरेंस कम होने पर तेजी से होने वाला डिस्चार्ज बिजली के रूप में सामने आता है। आमतौर पर एक थंडर स्टॉर्म लगभग तीस मिनट तक रहता है और इसका व्यास 15 मील तक हो सकता है। हर थंडर स्टॉर्म में आकाशीय बिजली होती है। एक्सपर्ट के अनुसार आकाशीय बिजली का तापमान सूर्य के ऊपरी सतह से भी ज्यादा होता है। इसकी क्षमता 300 किलोवॉट अर्थात 12.5 करोड़ वॉट से ज्यादा चार्ज की होती है। मीडिया रिपोर्टर्स के अनुसार दुनिया में हर साल बिजली गिरने की करीब 2 लाख 40 हज़ार घटनाएं दर्ज होती हैं। इन घटनाओं में कितनी जानें जाती हैं, इसे लेकर कई तरह के अध्ययन अलग आंकड़े बताते हैं। एक स्टडी की मानें तो दुनिया में 24 हज़ार लोग हर साल बिजली गिरने से मारे जाते हैं। भारत में आकाशीय बिजली गिरने से मौत के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, हर साल 2 से 3 हजार लोगों की मौत आकाशीय बिजली की चपेट में आने के कारण हो जाती है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तपती गर्मी में पंखे और कूलर बांटने के लिए तापसी पन्नू ने हेमकुंट फाउंडेशन के साथ हाथ मिलाया

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू ने भीषण गर्मी से जूझ रहे वंचित परिवारों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से हेमकुंट फाउंडेशन के साथ हाथ मिलाया। हेमकुंट फाउंडेशन ने जरूरतमंद लोगों को पंखे और वाटर कूलर बांटे। इस पहल का उद्देश्य झुग्गी-झोपड़ियों और कम आय वाले इलाकों पर ध्यान केंद्रित करना था, जहां लोगों को बुनियादी कूलिंग उपकरणों की कमी के कारण चिलचिलाती गर्मी से निपटने में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। तापसी पन्नू ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, हम अक्सर पंखे या कूलर जैसी बुनियादी सुविधाओं को हल्के में ले लेते हैं, लेकिन बहुत से लोगों के लिए, खासकर इस असहनीय गर्मी में, हल्की हवा भी आशीर्वाद की तरह महसूस होती है। इस पहल का हिस्सा बनकर मैं बहुत प्रभावित हुई। यह केवल देने के बारे में नहीं है। यह लोगों के साथ खड़े होने, उनके दर्द को समझने और उन्हें कम करने के लिए जो कुछ भी हम कर सकते हैं, करने के बारे में है। हेमकुंट फाउंडेशन के निदेशक हरतीरथ सिंह ने कहा, जब तापमान 40 डिग्री को पार कर जाता है, तो झुग्गी-झोपड़ियों में रहना लगभग असंभव हो जाता है, जहाँ बमुश्किल कोई वेंटिलेशन या छाया होती है। लोग बिना पंखे या कूलर के चुपचाप कष्ट सहते हैं, जिससे दिन भर उनका गुजारा हो सके। इसी बात ने हमें यह पहल शुरू करने के लिए प्रेरित किया। फाउंडेशन आने वाले हफ्तों में गर्मी से प्रभावित क्षेत्रों में इसी तरह के अभियान जारी रखने की योजना बना रहा है।

कैंसर आपके मस्तिष्क पर कब्जा कर आपकी प्रेरणा शक्ति को पस्त कर देता है

सेंट लुइस। कैंसर के अंतिम चरण का एक क्रूर परिणाम यह है कि कई मरीज गहरी उदासीनता में डूब जाते हैं, क्योंकि वे उन गतिविधियों में भी रुचि खो देते हैं जिन्हें वे कभी पसंद करते थे। यह लक्षण दुर्बलता नामक सिंड्रोम का हिस्सा है, जो अंतिम चरण के लगभग 80 प्रतिशत कैंसर रोगियों को प्रभावित करता है। इससे मांसपेशियां बड़े पैमाने पर खत्म होने लगती हैं और वजन घटने लगता है, जिससे पर्याप्त पोषण के बावजूद मरीज की हड्डियां पतली हो जाती हैं। हौंसला पस्त होने से न केवल रोगियों की पीड़ा बढ़ती है, बल्कि उन्हें परिवार और दोस्तों से भी अलग कर देती है। चूंकि, रोगी को कठिन उपचार पद्धतियों को अपनाने में कड़ा संघर्ष करना पड़ता है इसलिए इससे परिवारों पर भी दबाव पड़ता है और उपचार जटिल हो जाता है।

डॉक्टर आमतौर पर यह मानते हैं कि जब कैंसर के अंतिम चरण के मरीज जीवन से विमुख हो जाते हैं, तो यह शारीरिक गिरावट के प्रति एक अपरिहार्य मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया होती है। लेकिन क्या होगा यदि उदासीनता सिर्फ शारीरिक गिरावट का परिणाम न होकर रोग का ही एक अभिन्न अंग हो? 'साइंस' पत्रिका में प्रकाशित हमारे निष्कर्ष, दशकों पुरानी मान्यताओं को चुनौती देते हैं और सुझाव देते हैं कि उस चीज को पुनः प्राप्त करना संभव हो सकता है जिसे खोना कई कैंसर रोगियों के लिए सबसे विनाशकारी बात है – जीवन के प्रति उनकी इच्छाशक्ति। कैंसर से उत्पन्न कमजोरी में उदासीनता की पहेली को सुलझाने के लिए, हमें शरीर में सूजन के सटीक मार्ग का पता लगाने की आवश्यकता थी, तथा रोग के बढ़ने के दौरान जीवित मस्तिष्क के अंदर झांकने की आवश्यकता थी – जो कि लोगों में लगभग असंभव है।

हालांकि, तंत्रिका वैज्ञानिकों के पास उन्नत तकनीक है जो चूहों में इसे संभव बनाती है।

आधुनिक तंत्रिका विज्ञान हमें ऐसे शक्तिशाली उपकरणों से लैस करता है, जिनसे हम यह पता लगा सकते हैं कि बीमारी चूहों में मस्तिष्क की गतिविधि को कैसे बदलती है। वैज्ञानिक कोशिकीय स्तर पर सम्पूर्ण मस्तिष्क का मानचित्रण कर सकते हैं, व्यवहार के दौरान तंत्रिका गतिविधि पर नजर रख सकते हैं, तथा न्यूरॉन्स को सटीकता से चालू या बंद कर सकते हैं। हमने कैंसर के चूहा मॉडल में इन तंत्रिका विज्ञान उपकरणों का उपयोग मस्तिष्क और प्रेरणा पर रोग के प्रभावों का अध्ययन करने के लिए किया।

हमने मस्तिष्क के एक छोटे से हिस्से की पहचान की जिसे एरिया पोस्ट्रेमा कहते हैं जो मस्तिष्क के सूजन डिटेक्टर के रूप में कार्य करता है। जैसे-जैसे ट्यूमर बढ़ता है, यह रक्तप्रवाह में सूजन को बढ़ावा देने वाले अणु साइटोकाइन्स को छोड़ता है।

पोस्ट्रेमा क्षेत्र में विशिष्ट रक्त-मस्तिष्क अवरोध का अभाव होता है जो विषाक्त पदार्थों, रोगाणुओं और अन्य अणुओं को शरीर से बाहर रखता है, जिससे यह परिसंचारी सूजन संबंधी संकेतों का सीधे नमूना ले पाता है। जब पोस्ट्रेमा क्षेत्र में सूजन वाले अणुओं में वृद्धि का पता चलता है, तो यह मस्तिष्क के कई क्षेत्रों में तंत्रिका प्रपात को सक्रिय कर देता है।

साजना दिवस

अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में बैसाखी और खालसा साजना दिवस मनाने के लिए सिख भक्तों के एकत्र होने पर स्वर्ण मंदिर का दृश्य।

'पुरातन' मेरी आखिरी बांग्ला फिल्म हो सकती है: शर्मिला टैगोर

कोलकाता/भाषा। दिग्गज अभिनेत्री और पद्म भूषण से सम्मानित शर्मिला टैगोर ने कहा है कि हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'पुरातन' संभवतः उनकी आखिरी बांग्ला फिल्म हो सकती है। उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी कारणों का हवाला देते हुए कहा कि अब लंबे शूट में हिस्सा लेना उनके लिए थोड़ा कठिन हो गया है। उन्होंने शुक्रवार रात एक कार्यक्रम के दौरान कहा, ''देखते हैं आगे क्या होता है। मुझे बांग्ला फिल्मों में काम करना बेहद पसंद है। कोलकाता से मुझे बहुत लगाव है। लेकिन अब मेरा स्वास्थ्य पहले जैसी नहीं है।'' उन्होंने वर्ष 2023 में 'पुरातन' की शूटिंग को याद करते हुए कहा, ''हमने गंगा किनारे एक 'रिजॉर्ट' में 14-15 दिनों तक शूट किया था और वह बहुत अच्छा अनुभव रहा।

शर्मिला टैगोर ने कहा, अपनी मातृभाषा बांग्ला में संवाद बोलने का जो आत्मीय एहसास होता है, वह अनूठा है। आप तुरंत संवाद में सुधार कर सकते हैं, सहजता से अपने भाव व्यक्त कर सकते हैं। 'पुरातन' में वह एक बुजुर्ग मां की भूमिका निभा रही हैं। वह एक कॉरपोरेट दुनिया में काम करने वाली आधुनिक महिला (ऋतुपर्णा सेनगुप्ता द्वारा अभिनीत) की मां हैं।

इस किरदार के बारे में उन्होंने कहा, ''ऐसे किरदार हमेशा नहीं मिलते। हर फिल्म मेरे लिए एक चुनौती होती है। मैं हर किरदार को उद्देश्यपूर्ण तरीके से निभाना चाहती हूं।'' निर्देशक सुमन घोष की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, उन्होंने हर फ्रेम में मुझे सुंदर दिखाने की पूरी कोशिश की। उन्होंने एक बहुत ही खूबसूरत कहानी गढ़ी है।

शर्मिला टैगोर ने वर्ष 1959 में सत्यजीत रे की 'अपुर संसार' से बतौर अभिनेत्री अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने 'देवी' और 'अरण्येर दिनरात्रि' जैसी प्रसिद्ध फिल्मों में भी काम किया। कोलकाता के संदर्भ में उन्होंने कहा, यह शहर इंसानियत और समावेशिता का प्रतीक है। शूटिंग के दौरान टीटागढ़ जाते समय मैंने सड़कों पर 'कैरम' खेलते, हंसते-खेलते लोगों को देखा।

भारत को परमाणु ऊर्जा पर नए सिरे से काम करने की जरूरत : क्रिस सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क। होलटेक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. क्रिस सिंह ने कहा है कि भारत को 'परमाणु ऊर्जा पर नए सिरे से काम करने' की जरूरत है और अमेरिका परमाणु अवसंरचना विकसित करने में देश की मदद करने में रुचि रखता है, क्योंकि दोनों देशों की इस क्षेत्र में काफी दिलचस्पी है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस दिशा में चीजें आगे बढ़ेंगी। सिंह ने कैमडेन, न्यूजर्सी में कृष्णा पी सिंह प्रौद्योगिकी परिसर में एक विशेष साक्षात्कार में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, भारत और अमेरिका की स्वच्छ ऊर्जा में रणनीतिक रुचि है... परमाणु ऊर्जा को एकता का सूत्रधार होना चाहिए और भारत को स्वाभाविक रूप से इसमें अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। इसके लिए, भारत के पास निर्यात योग्य प्रौद्योगिकी होनी चाहिए।

होलटेक इंटरनेशनल एक विविध ऊर्जा प्रौद्योगिकी कंपनी है, जिसे कार्बन उत्सर्जन मुक्त बिजली उत्पादन, विशेष रूप से वाणिज्यिक परमाणु और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी प्रौद्योगिकी नवोन्मेषक के रूप में मान्यता प्राप्त है।

पिछले साल सितंबर में, सिंह ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्चस्तरीय सत्र के लिए प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान यहां प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी। उन्होंने भारत में विनिर्माण का विस्तार करने की होलटेक की योजना और असैन्य परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की थी।

कंपनी ने पिछले महीने घोषणा की थी कि अमेरिकी ऊर्जा विभाग ने भारत सरकार की सहमति से होलटेक इंटरनेशनल को भारत में कामकाज के लिए कंपनी के प्रमुख छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर एसएमआर-300 को बेचने के लिए विशिष्ट अधिकार प्रदान किया है।

प्रदर्शन

अमृतसर में जलियांवाला बाग हत्याकांड की बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए छात्र प्रदर्शन करते हुए।

नुसरत भरूचा, सोहा अली खान ने 'डर' के बारे में खुलकर की बात

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म अभिनेत्री नुसरत भरूचा और सोहा अली खान अपनी आगामी हॉरर कॉमेडी 'छोरी 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। इन दोनों अभिनेत्रियों ने अपने गहरे डर के बारे में खुलकर बात की है। 'रंग दे बसंती' अभिनेत्री ने आईएएनएस को बताया, मेरा सबसे बड़ा डर सिर्फ अप्राकृतिक, असामयिक मृत्यु है क्योंकि मैं वास्तव में जीवित रहने का आनंद लेती हूं। मैं अच्छा समय बिता रही हूं और मैं ऐसे कई लोगों से प्यार करती हूं जो मेरे बहुत करीब हैं। मैं उन्हें खोना नहीं चाहती, और मैं नहीं चाहती कि वे मुझे खो दें। मैंने उन लोगों को खो दिया है जो मेरे करीब हैं, जिन्हें मैं बहुत प्यार करती हूं। इसलिए, मुझे पता है कि यह जीवन का एक हिस्सा है, और यह ऐसी चीज है जिससे मुझे डर लगता है। नुसरत ने अपना एक कमजोर पक्ष साझा करते हुए बताया कि वह अपनी मृत्यु के विचार से शांति महसूस करती हैं, लेकिन अपने किसी करीबी को खोने के विचार से डरती हैं। नुसरत ने कहा, मुझे लगता है कि अगर मुझे अचानक मरना पड़े, कल या परसों, एक महीने बाद, मैं अभी भी इस तथ्य को स्वीकार करूंगी कि मैंने एक अच्छा जीवन जिया। मैंने इसका आनंद लिया। कोई दिक्कत नहीं।

छोटी-छोटी चीजें मायने रखती हैं : कृतिका कामरा

नई दिल्ली/एजेन्सी

अभिनेत्री कृतिका कामरा खुद को यर्थाथवादी मानती हैं। एक्ट्रेस के अनुसार वो छोटी-छोटी चीजों में खुशियां ढूंढ लेती हैं। कृतिका की जिंदगी पर कोई फिल्म बने, तो उसका शीर्षक क्या होगा? इस सवाल पर उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा, थोड़ा है, थोड़े की जरूरत है। मुझे लगता है कि यह मेरी जिंदगी की कहानी है। मैं यथार्थवादी हूं और मेरे लिए खुशी छोटी-छोटी चीजों में है। मेरे पास जो कुछ भी है, मैं उसके लिए आभारी हूं। उन्होंने आगे कहा, जीवन एक यात्रा है और अब तक की मेरी यात्रा बहुत दिलचस्प रही है। कृतिका को शो 'कितनी मोहब्बत है' में आरोही शर्मा का किरदार निभाकर सुर्खियां मिलीं। इसके बाद उन्हें 'कुछ तो लोग कहेंगे', 'रिपोटर्स' और 'प्रेम या पहेली – चंद्रकांता' जैसे शो में देखा गया। इसके अलावा, अभिनेत्री ने डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 7' में भी भाग लिया है और 'तांडव' और 'बंबई मेरी जान' जैसी श्रृंखलाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। 35 वर्षीय अभिनेत्री ने 2018 में रिलीज हुई 'मित्रों' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। उनके पास एक और प्रोजेक्ट है। वह प्रतीक गांधी के साथ 'फॉर योर आईज ओनली' में भी हैं।

इस बारे में बात करते हुए कि उन्हें कौन सा किरदार निभाना मुश्किल लगता है- खुद से बिल्कुल अलग किरदार या फिर खुद से मिलता-जुलता किरदार। इस पर कृतिका ने आईएएनएस को बताया, एक आदर्श किरदार वह होता है जिसमें ऐसे गुण और भावनाएं हों जिससे आप कनेक्ट कर सकें, लेकिन उस किरदार का जीवन आपसे (एक्टर) बिल्कुल अलग हो। मैं ऐसे किरदारों की तलाश करती हूं जो मुझे ऐसी परिस्थितियों की कल्पना करने के लिए मजबूर करें जिनमें मैं कभी नहीं रही। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी चीजें जो मैंने कभी नहीं की या महसूस नहीं कीं। लेकिन उस स्थिति में होना तभी संभव है जब आपकी उस चरित्र से कुछ समानता हो और सभी अच्छे से लिखे गए पात्रों में यह होता है। बस आपको उसका इतिहास, उससे जुड़ी भावना या उस किरदार के सिद्धांत पर काम करना होता है। बाकी आप अभिनव यात्रा में अनुभव के साथ सीख लेते हैं। अभिनेत्री को हाल ही में ग्यारह ग्यारह सीरीज में देखा गया था, जो कोरियाई नाटक सिग्नल का रूपांतरण है। उनका अगला प्रोजेक्ट मटका किंग है, जिसके निर्माता राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता नागराज मंजुले हैं। 'मटका किंग' मुंबई में शुरू हुए मटका जुए की जटिल दुनिया को दर्शाता है। इस सीरीज में विजय वर्मा मटका किंग की मुख्य भूमिका में हैं।

'लॉगआउट' में बाबिल के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा : रसिका दुग्गल

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रसिका दुग्गल बहुप्रतीक्षित ड्रामा 'लॉगआउट' में दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान के साथ पहली बार स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी। रसिका ने बताया कि बाबिल के साथ काम करने का उनका अनुभव शानदार रहा। रसिका ने बताया, बाबिल के साथ काम करने का अनुभव खास रहा। वह दिलचस्प अभिनेता हैं और उन्हें काम में अपना सर्वश्रेष्ठ देते देखना दिल को छू लेने वाला था। उन्होंने कहा, मैं पहली बार बाबिल से तब मिली थी, जब मैंने उनके पिता इरफान के साथ 'किस्सा' में काम किया था। अपने करियर की शुरुआत में इरफान के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात थी और बाबिल के करियर की शुरुआत में उनके साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास है। यह एक चक्र की तरह लगा। अभिनेत्री ने 'लॉगआउट' की टीम के बारे में कहा, मैंने पहले भी निर्देशक अमित गोलानी, लेखक बिस्वपति सरकार, क्रिएटिव प्रोड्यूसर समीर सक्सेना के साथ काम किया है। वे बेहद प्रतिभाशाली हैं। मैं 'किस्सा' के माध्यम से उस जुड़ाव को फिर से अनुभव करने के लिए उत्साहित हूं।

अमित गोलानी के निर्देशन में बनी 'लॉगआउट' की कहानी को बिस्वपति सरकार ने लिखा है। बाबिल और रसिका दुग्गल के साथ इस प्रोजेक्ट में निमिशा नायर और गंधर्व दीवान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। पोशम पा पिक्चर्स के सहयोग से डिजिटल 18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड ने 'लॉगआउट' का निर्माण किया है। यह भारतीय फिल्म महोत्सव मेलबर्न 2024 और रिवर टू रिवर फ्लोरेंस भारतीय फिल्म महोत्सव 2024 के साथ ही अन्य कई फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित की जा चुकी है, जिसमें इसे खूब सराहना मिली। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया था। 'लॉगआउट' का प्रीमियर 18 अप्रैल को जी5 पर होगा।

भावात्मक अभिनय से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया बलराज साहनी ने

मुंबई/एजेन्सी

पुण्यतिथि के अवसर पर विशेष

फिल्म जगत में बलराज साहनी को एक से अभिनेता के तौर पर याद किया जाता है, जिन्होंने अपने संजीदा और भावात्मक अभिनय से लगभग चार दशक तक सिने प्रेमियों का भरपूर मनोरंजन किया। एक मई 1913 को पाकिस्तान के रावलपिंडी में एक मध्यम वर्गीय व्यवसायी परिवार में जन्में बलराज साहनी का बचपन से ही झुकाव अपने पिता के पेशे की ओर न होकर अभिनय की ओर था। उनका मूल नाम युधिष्ठर साहनी था। लाहौर के मशहूर गवर्नमेंट कॉलेज से अंग्रेजी साहित्य में स्नाकोत्तर की शिक्षा पूरी करने के बाद बलराज साहनी रावलपिंडी लौट गए और पिता के व्यापार में उनका हाथ बटाने लगे। वर्ष 1930 अंत मे बलराज साहनी और उनकी पत्नी दमयंती रावलपिंडी को छोड़ गुरूदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर के शांति निकेतन पहुंचें, जहां साहनी अंग्रेजी के शिक्षक के रूप मे नियुक्त हुए। वर्ष 1938 में साहनी ने महात्मा गांधी के साथ भी काम किया। इसके एक वर्ष के बाद महात्मा गांधी के सहयोग से बलराज साहनी को बीबीसी के हिन्दी के उदघोषक के रूप में इग्लैंड में नियुक्त किया गया।

लगभग पांच वर्ष के इग्लैंड प्रवास के बाद वह 1943 में भारत लौट आए। इसके बाद बलराज साहनी अपने बचपन के शौक को पूरा करने के लिए इंडियन प्रोग्रेसिव थियेटर एसोसिएशन (इप्टा) में शामिल हो गए। इप्टा की निर्मित फिल्म धरती के लाल में उन्हें बतौर अभिनेता काम करने का मौका मिला। उन्हें अपने क्रांतिकारी और कम्युनिस्ट विचार के कारण जेल भी जाना पड़ा। उन दिनों वह फिल्म हलचल की शूटिंग में व्यस्त थे और निर्माता के आग्रह पर विशेष व्यवस्था के तहत फिल्म की शूटिंग किया करते थे। शूटिंग खत्म होने के बाद वापस जेल चले जाते थे। वर्ष 1951 में फिल्म हमलोग के जरिए बलराज साहनी बतौर अभिनेता अपनी पहचान बनाने में सफल हुये। वर्ष 1953 में आई फिल्म दो बीघा जमीन साहनी के करियर मे अहम पड़ाव साबित हुई। फिल्म दो बीघा जमीन को आज भी भारतीय फिल्म इतिहास की सर्वश्रेष्ठ कलात्मक फिल्मों में शुमार किया जाता है। इस फिल्म को अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी काफी सराहा गया तथा कांस फिल्म महोत्सव के दौरान इसे अंतराष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। वर्ष 1961 में प्रदर्शित फिल्म काबुलीवाला में साहनी ने अपने संजीदा अभिनय से दर्शको को भावविभोर कि या। इस किरदार के लिए वह मुंबई मे एक काबुलीवाले के घर में लगभग एक महीना तक रहे।

अभिनय में आयी एकरूपता से बचने और स्वंय को चरित्र अभिनेता के रूप मे भी स्थापित करने के लिये बलराज साहनी ने खुद को विभिन्न भूमिकाओं में पेश किया। इनमें हकीकत,वक्त,दो रास्ते,एक फूल दो माली,मेरे हमसफर जैसी सुपरहिट फिल्में शामिल है। वर्ष 1965 मे प्रदर्शित फिल्म ..वक्त.. में बलराज साहनी के अभिनय के नये आयाम दर्शको को देखने को मिले । इस फिल्म में उन्होंने लालाकेदार नाथ के किरदार को जीवंत कर दिया । इस फिल्म में उनपर फिल्माया गाना ..ऐ मेरी जोहरा जबीं तुझे मालूम नही ..सिने दर्शक आज भी नही भूल पाये है। निर्देशक एम.एस.सथ्यू की वर्ष 1973 मे प्रदर्शित ..गर्म हवा..बलराज साहनी की मौत से पहले उनकी महान फिल्मो में स सबसे अधिक सफल फिल्म थी । उत्तर भारत के मुसलमानो के पाकिस्तान पलायन की पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म में बलराज साहनी केन्द्रीय भूमिका में रहे।

बेंगलूरू | सोमवार | 14-04-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

8

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

रविवार को गोड़वाड़ भवन में श्री हनुमान सेवा समिति द्वारा हनुमानजी के प्राकट्य दिवस पर हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन भव्यता से किया गया। इस अवसर पर सभागार के सुसज्जित हॉल में केले के तने व ताजे फूलों से प्रभु श्रीराम के दरबार के साथ हनुमानजी महाराज की सुंदर झांकी सजाई गई।

कुशल्स फैशन ज्वेलरी ने होसपेट में खोला अपना 98वां स्टोर

तीन वर्षों में भारत में 300 से अधिक नए स्टोर खोलेगा 'कुशल्स'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट/बेंगलूरु। भारत के अग्रणी फैशन और सिल्वर ज्वेलरी ब्रांड 'कुशल्स' ने होसपेट में अपने पहले स्टोर का उद्घाटन किया। विजयनगर के विधायक एचआर गवियप्पा के साथ एमएसपीएल लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक नरेंद्रकुमार बलदोटा और दक्षिण पश्चिमी रेलवे के जेडआरयूसीसी के सदस्य बाबूलाल जैन ने नए स्टोर का उद्घाटन किया। होसपेट कॉलेज रोड पर में कुशल्स का नवीनतम स्टोर 1300 वर्ग फीट में फैला हुआ है। इस नए स्टोर पर सभी अवसरों के लिए उपयुक्त विशिष्ट आभूषण, मंदिर के डिज़ाइन, कारीगरी से बने एंटीक फ़िनिश, स्पार्कलिंग ज़िरकोन और स्टर्लिंग सिल्वर ज्वेलरी के कलेक्शन की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई है, जिसमें से चुनने के लिए 5000 से अधिक डिज़ाइन उपलब्ध हैं। नए स्टोर में हार, चोकर, झुमके, फिंगर रिंग, पेंडेंट सेट, कंगन, कड़ा, मांग टीका, कमरबंद, बाजूबंद और ब्रोच जैसे विविध प्रकार के आभूषण उपलब्ध हैं। उद्घाटन के मौके पर कुशल्स के मार्केटिंग डायरेक्टर अंकित गुलेच्छा ने कहा कि कुशल्स अपने ग्राहकों की अनूठी शैली को दर्शाने वाले फैशनेबल आभूषण प्रदान करने के लिए समर्पित है। कुशल्स ब्रांड की अब 35 शहरों में 98 से अधिक स्टोर पर उपस्थिति है और अगले तीन वर्षों में भारत में 300 से अधिक नए स्टोर शुरू करने की योजना है।

सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन की वार्षिक बैठक में सदस्यों को सौंपी गई जिम्मेदारियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन ने रविवार को अपनी वार्षिक बैठक का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भूतपूर्व सैनिक अनिलसिंह सिकरवार, प्रमोदसिंह और आरबी प्रकाश उपस्थित थे। निदेशक मनोज गुप्ता ने सभी का स्वागत किया। महासचिव राजीव रंजन ने वार्षिक प्रतिवेदन व गतिविधि योजना की जानकारी दी। फाउंडेशन के अध्यक्ष राजमणि सिन्हा ने सीएसआर फंड, गत वित्तीय वर्ष की आयव्यय का विवरण व ऑडिट रिपोर्ट पेश की। उपाध्यक्ष धनंजयकुमार और सीओओ राममोहन पाठक ने विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों, साइबर सुरक्षा जागरूकता शिविर व मानवसेवी कार्यों की जानकारी दी।

श्रद्धा शर्मा को सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया। इस बैठक में आगामी नए साल के लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रवीणकुमार पांडे को संस्थापक एवं अध्यक्ष, मनोज गुप्ता को निदेशक, राजमणिकुमार सिन्हा को अध्यक्ष, धनंजयकुमार को प्रवक्ता एवं उपाध्यक्ष, सुष्मिता पाठक एवं डीके मिश्रा को उपाध्यक्ष, बीजेंद्र ठाकुर को सचिव, राममोहन पाठक को सीईओ सहित अन्य सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारी सौंपी। सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। अतिथियों ने सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन के सेवाकार्य के बारे में अपने अनुभव साझा किए।

श्रेयांस पारणा समिति के अक्षय तृतीया पारणा की आमंत्रण पत्रिका का लेखन कार्य शुभारंभ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय श्रेयांस पारणा समिति द्वारा 30 अप्रैल को पैलेस ग्राउंड स्थित त्रिपुरावासिनी सभागार में अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को इस महोत्सव की आमंत्रण पत्रिका का लेखन शुभारंभ समारोह समणी निदेशिका डॉ. सुयशनिधिजी के सान्निध्य में संपन्न हुआ। सामूहिक रूप से समिति के चेयरमैन रमेश सियाल, सहचेयरमैन मीठालाल लोढ़ा, रोशनलाल नाहर, महावीरचंद श्रीश्रीमाल, राजेन्द्रकुमार नाहर, पदमराज रातड़िया, महेन्द्रकुमार चोरड़िया, रमेशकुमार, गुगलिया, उत्तमचंद कोठारी, भंवरीलाल चोरड़िया, प्रकाशचंद टोडरवाल, जेके महावीरचंद चोरड़िया ने आमंत्रण पत्रिका लेखन शुभारंभ किया। इस अवसर पर मदनलाल कात्रेला, रणजीतराज लुंकड़, रमेश पिपारिया, श्रेयांस चोरड़िया की उपस्थिति रही। समणी निदेशिका डॉ. सुयशनिधिश्रीजी ने मंगलपाठ श्रवण कराया।

अन्नदान

बेंगलूरु के वर्धमान स्थानकवासी नवयुवक मंडल अक्कीपेट के सदस्यों द्वारा अक्कीपेट स्थानक के सामने लगभग 250 से अधिक जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया। अमृतलाल कमलेश कुमार सालेचा के सौजन्य से आयोजित इस मानव सेवा कार्य में राज लुंकड़, पंकज विनायकिया, राजेंद्र बाफना, अरविंद कानूंगा, विकास पारख, महावीर छाजेड़, हनुमान चोपड़ा सहित अन्य सदस्यों ने अन्नदान सेवा में सहयोग किया।

राम दरबार की झांकी

सुशील टिबरेवाल के पुत्र-पुत्रवधू पूजा करते हुए

हरिकिशन सारडा का सम्मान

भजन पेश करती हुई शैफाली मंत्री

भजन प्रस्तुत करते हुए प्रभात करनानी

मुख्य गायक कलाकार प्रकाश मिश्रा।

कार्यक्रम समापन पर भी आनंद के क्षण

मंगल आरती

'छम छम नाचे देखो वीर हनुमाना, कहते हैं लोग इसे राम का दीवाना'

हनुमान सेवा समिति के 'हनुमान जन्मोत्सव' पर उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रविवार को गोड़वाड़ भवन में श्री हनुमान सेवा समिति द्वारा हनुमानजी के प्राकट्य दिवस पर हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन भव्यता से किया गया। इस अवसर पर सभागार के सुसज्जित हॉल में केले के तने व ताजे फूलों से प्रभु श्रीराम के दरबार के साथ हनुमानजी महाराज की सुंदर झांकी सजाई गई। ज्योत प्रज्वलन के बाद गायक हरिकिशन सारड़ा के नेतृत्व में सुंदरकांड का संगीतमय पाठ किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर राम दरबार व हनुमानजी के दर्शन कर अपनी हाजरी लगाई।

शाम को 6 बजे सभा में स्थानीय भजन गायकों ने गणेश वंदना के साथ भजन संध्या की शुरुआत की। बेंगलूरु के उभरते गायक कलाकार प्रभात करनानी ने जब 'बाबा एकर तो म्हाने कालजियै लगा लीजै रे......, मेरे बजरंगबली सरकार, तू इतना न करियो श्रृंगार......कीजो केसरी के लाल, मेरा छोटा सा यह काम.....,मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे, राम आएंगे...आदि भजन गाए तो पूरा सभागार हनुमान व राममय हो गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने नाच गाकर इस नए कलाकार का खूब उत्साहवर्धन किया।

तत्पश्चात कोलकाता से आएं सुप्रसिद्ध भजन गायक प्रकाश मिश्रा ने अपनी चिर परिचित शैली में जब अब स्वागत की करलो तैयारी अवध में राम आए हैं, .श्रीराम की गली में तुम जाना, वहां नाचते मिलेंगे हनुमाना... छम छम नाचे देखो वीर हनुमाना, कहते हैं लोग इसे राम का दीवाना......, एक बाबा श्याम है, दूजे हनुमान है...., मेरे सरकार आए हैं, सजा दो घर को फूलों से मेरे राम आए हैं...., पलकें ही पलकें बिछाएंगे, जिस दिन राम मेरे घर आएंगे...' आदि भजन गाए तो सभागार में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने नाचते हुए, झूमते हुए भजनों का आनंद लिया । रात करीब 10 बजे तक भजन गायकों ने हनुमानजी के भजनों के साथ खाटू श्यामजी व अन्य देवी देवताओं के के भजनों की प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर समिति के सदस्य मदन माहेश्वरी, रामेश्वरलाल भूतड़ा, एल.एन. डागा, प्रवीण रूंगटा, संदीप अग्रवाल, श्रीकांत पाराशर, सुशील टिबड़ेवाल, रेवंतमल झँवर, सुरेशकुमार जैन, ओमप्रकाश मंत्री, सज्जनराज शर्मा, विनय टिबड़ेवाल, पवन रूंगटा, प्रवीण रूंगटा, टी.सी.गोयल, कमलेश डीडवानिया सहित सभी सदस्यों का हनुमान जन्मोत्सव में विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के दौरान समिति के सदस्यों द्वारा सुन्दरकांड पाठ वाचक व दोनों भजन गायकों का सम्मान किया गया। इस बीच गोड़वाड़ भवन के प्रतिनिधि, समाजसेवी कुमार पाल सिसोदिया के आगमन पर उनका भी अभिनंदन किया गया । भजनों की समाप्ति के बाद महाआरती की गई । महाप्रसाद का की उत्तम व्यवस्था थी। अंत में मदन माहेश्वरी ने सभी को धन्यवाद दिया।

जेवाईएस ने महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव में सहयोगी रही संस्थाओं का किया सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । जैन युवा संगठन (जेवाईएस) द्वारा 10 अप्रैल को श्रमण भगवान महावीर के 2624वें जन्मकल्याणक समारोह आयोजित हुआ। इस आयोजन में सहयोगी रही संस्थाओं के सम्मान के लिए रविवार को जेसी रोड़ स्थित जैन कॉलेज में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत ने सभी का स्वागत किया। मंत्री नीरज कटारिया ने महावीर जन्मकल्याणक के आयोजन की जानकारी दी तथा बताया कि इस आयोजन में करीब 170 संघ संस्थाओं ने अलग अलग सेवाओं द्वारा सहयोग प्रदान किया।

ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश धोका ने सभी संघ संस्थाओं को धन्यवाद दिया। जन्मकल्याणक महोत्सव में शामिल झांकियों के विजेताओं का सम्मान किया गया। इस मौके पर करीब 130 सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे जिनका सम्मान किया। अनेक पदाधिकारियों ने सम्मान समारोह में सहयोग दिया। इस मौके पर वर्धमान की वर्तमान में आवश्यकता नामक रील प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। मंच संचालन रितेश पामेचा के साथ अमित दक ने किया। सहमंत्री सुश्रुत चेलावत ने धन्यवाद दिया।

वार्षिकोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के वृंदावननगर के कुम्वेपू गलियाराबलगा संस्था ने अण्णमादेवी व बंडी महाकाली देवी का तीसरा वार्षिकोत्सव आयोजित किया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की।

संयम का मार्ग तलवार पर चलने के समान है : मुमुक्षु दिलीप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ सेंट्रल के तत्वावधान में शहर के महावीर जैन कॉलेज परिसर में आचार्य पार्श्वचन्द्रजी, डॉ. पदमचंद्रमुनिजी के सान्निध्य में दीक्षार्थी अभिनंदन समारोह का आयोजन हुआ। इससे पूर्व महावीर धर्मशाला में आयंबिल ओली तप आराधकों का पारणा एवं तप अनुमोदना कार्यक्रम हुआ। महावीर धर्मशाला से मुमुक्षु दिलीपकुमार धोका की 11 जून को रायचूर में होने वाली जैन भागवती दीक्षा की अनुमोदनार्थ शोभायात्रा निकाली गई जो कार्यक्रम स्थल पहुंचकर अभिनंदन समारोह में परिवर्तित हो गई। इस आयोजन में पदमचंद्रमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि आज नौ दिवसीय ओली तप आराधकों का अभिनंदन समारोह है। शास्त्रों में आयंबिल तप की असीम महिमा बताई गई है। आयंबिल तप की आराधना से किसी भी प्रकार की आसुरी शक्ति एवं नकारात्मक ऊर्जा का जोर नहीं चलता है। इसके अलावा मुमुक्षु दिलीपकुमार धोका के दीक्षा अभिनंदन का अवसर है। मुमुक्षु दिलीप धोका का पूरा परिवार संतों के प्रति पूर्ण समर्पित और धर्मनिष्ठ है। साध्वी शशिप्रभाजी ने गीतिका से अनुमोदना की। अभिनंदन समारोह के लाभार्थी बनेचंद, रेवंतमल, राजेंद्रकुमार, कमलकुमार नाहर परिवार ने मुमुक्षु दिलीपकुमार धोका का सम्मान किया।

मुमुक्षु दिलीपकुमार धोका ने कहा कि लोग कहते है संयम का मार्ग नंगी तलवार पर चलने जैसा बहुत कठिन है, लेकिन जिसने संसार की वास्तविकता को जान लिया है, और संसार के जन्म मरण आदि के दुखों से मुक्त होने का निश्चय कर लिया है, उसके लिए संयम का मार्ग सरल, सुगम, नैसर्गिक है। आचार्यश्री पार्श्वचन्द्रजी ने सभी को प्रत्याख्यान करवा कर मांगलिक प्रदान की। सभा में जयधुरंधरमुनिजी, जयपुरंदरमुनिजी का भी सान्निध्य प्राप्त हुआ। जेपीपी महिला मंडल एलएनपुरम ने गीतिका प्रस्तुत की। मनोहरलाल डूंगरवाल ने आचार्यश्री के सान्निध्य में 18 अप्रैल से सुशील धाम में आयोजित होने वाले जैन धार्मिक संस्कार शिविर के सहयोगियों के नामों की घोषणा की। रविंद्र चौरड़िया ने विचार व्यक्त किए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com